Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 200 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, गुरुवार 01 फरवरी 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

दण्ड संहिता जिस देश से निकाल दी जाती है, वहां अपराधों का साम्राज्य फैल जाता है।

The empire of crimes spreads in a country where panel low is discarded.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के घर आईटी ने मारा छापा

अंबिकापुर-रायपुर (विसं)। आर्थिक अनियमितता के मामले में अपराध पंजीबद्ध होने के बाद छग के पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के अंबिकापुर स्थित निवास में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की संयुक्त आईटी की टीम के द्वारा दबिश देकर पड़ताल शुरू कर दी गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक टीम में 10 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। पूर्व मंत्री के निवास के बाहर बड़ी संख्या में जवानों को तैनात किया गया है और मकान के भीतर अधिकारी विभिन्न दस्तावेजो की जांच कर रहे हैं। इस संबंध में जांच दल अभी कोई भी जानकारी देने से बच रही है। हालांकि अभी इस मामले में विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में मचा हड़कंप, कार क्षतिग्रस्त

कटिहार (आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान भगदड़ मच गई। भगदड़ इतनी ज्यादा मच गई थी कि राहुल गांधी की कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि राहुल बाल-बाल बच गए और कार से निकलकर बस में बैठ गए और प्रशासन ने लोगों को शांत कर दिया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राहुल की कार पर पत्थर मारा गया जिससे गाड़ी का कांच टूट गया। गौरतलब है कि बिहार में कांग्रेस की ये यात्रा ऐसे वक्तहुई है जब पूर्व सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में लौट चुके हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पैतृक गृह बना मुख्यमंत्री का कैम्प कार्यालय

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के ग्राम बगिया, विकासखंड कांसाबेल, जिला जशपुर में स्थित उनके पैतृक गृह को मुख्यमंत्री का कैम्प कार्यालय घोषित किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग से जारी आदेशानुसार प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन एवं सुरक्षा संबंधी कारणों को दृष्टिगत रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री ने दी नसीहत

हुड़दंग और लोकतांत्रिक मूल्यों का चीरहरण करने वाले सांसद चिंतन करें : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन में आदतन हुड़दंग और लोकतांत्रिक मूल्यों का चीरहरण करने वाले सांसदों से वर्तमान लोक सभा के इस आखिरी सत्र में चिंतन और पश्चाताप करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह बजट सत्र उत्तम से उत्तम व्यवहार करने का अवसर है। संसद के अंतरिम बजट सत्र के पहले दिन पत्रकारों से बात करते हुए '2024 की राम-राम' के संबोधन के साथ अपने बयान की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन में हंगामा करने वाले सांसदों को कड़ी सीख दी है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में सबने अपने-अपने हिसाब से अपना-अपना काम किया, लेकिन सदन में हंगामा करने वाले सांसदों को कोई याद नहीं रखता। उन्होंने सदन में आदतन हुड़दंग, हंगामा और लोकतांत्रिक मूल्यों का चीरहरण करने वाले सांसदों को कड़ी नसीहत देते हुए कहा कि वर्तमान लोक सभा के इस आखिरी बजट सत्र में ऐसे सांसद चिंतन और पश्चाताप जरूर करेंगे कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। उनके अपने संसदीय क्षेत्र में किसी को उनका नाम भी याद नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि चुनाव के समय पर पूर्ण बजट पेश नहीं किया जाता, इसलिए उसी परंपरा का निर्वाह करते हुए इस सत्र में सरकार अंतरिम बजट पेश कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद सरकार पूर्ण बजट लेकर आएगी। नारी शक्ति के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भाषण और कल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा अंतरिम बजट पेश करना नारी शक्ति के साक्षात्कार का अवसर है।

राष्ट्रपति ने संसद के बजट सत्र के पहले दिन लोकसभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक को किया संबोधित

वैश्विक संकटों के बावजूद सरकार ने देश में महंगाई को काबू में रखा : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों- लोकसभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए दावा किया कि बीते वर्षों में विश्व ने दो बड़े युद्ध देखे और कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का सामना किया लेकिन ऐसे वैश्विक संकटों के बावजूद केंद्र सरकार ने देश में महंगाई को काबू में रखा और सामान्य भारतीय पर बोझ नहीं बढ़ने दिया।

उन्होंने कहा कि दुनिया में गंभीर संकटों के बीच भारत तेजी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्था बना, लगातार 2 क्वार्टर में भारत की विकास दर 7.5 प्रतिशत से ऊपर रही।

मोदी सरकार द्वारा किए गए कामों और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने राष्ट्र-हित में ऐसे अनेक कार्यों को पूरा होते हुए देखा है जिनका इंतजार देश के लोगों को दशकों से था। राम मंदिर के निर्माण की आकांक्षा सदियों से थी,जो आज सच हो चुका है। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटाने को लेकर शंकाएं थी ,जो आज इतिहास हो चुकी है और इसी संसद ने तीन तलाक के विरुद्ध कड़ा कानून बनाया है।

नए संसद भवन में अपने पहले संबोधन का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आजादी के अमृत काल की शुरुआत में यह भव्य भवन बना है। यहां एक भारत श्रेष्ठ भारत की महक भी है। भारत की सभ्यता और संस्कृति की चेतना भी है। उन्होंने 25 करोड़ देशवासियों के गरीबी रेखा से बाहर निकलने की बात कहते हुए कहा कि हम सभी बचपन से गरीबी हटाओ के नारे सुनते आ रहे थे। अब हम जीवन में पहली बार बड़े पैमाने पर गरीबी को दूर होते देख रहे हैं।

रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के अपने कमिटमेंट को केंद्र सरकार द्वारा लगातार जारी रखने की बात कहते हुए राष्ट्रपति ने आगे कहा कि आज अर्थव्यवस्था के विभिन्न आयामों को देखें तो यह विश्वास बढ़ता है कि भारत सही दिशा में है तथा सही निर्णय लेते हुए आगे बढ़ रहा है। बीते दशक में सरकार ने सुशासन और पारदर्शिता को हर व्यवस्था का मुख्य आधार बनाया है। भारत में बिजनेस करने को लगातार आसान बनाया जा रहा है, इज ऑफ डूइंग बिज़नेस में लगातार सुधार हो रहा है। एमएसएमई और लघु उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम हो रहा है। डिजिटल इंडिया के क्षेत्र में किए गए सबसे बड़े रिफार्म का परिणाम सामने आ रहा है और आज दुनिया के कुल रियल टाइम डिजिटल लेन-देन का 46 प्रतिशत भारत में होता है। उन्होंने कहा कि सरकार मानती है कि विकसित भारत की भव्य इमारत 4 मज़बूत स्तंभों पर खड़ी होगी। ये स्तंभ हैं ङ्क युवाशक्ति, नारीशक्ति, किसान और गरीब। इसलिए इन 4 स्तंभों को सशक्त करने के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चल रही सरकार समाज के हर वर्ग को उचित अवसर देने में जुटी है।

मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को यहां मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई।

मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एक और गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश के तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के हित में एक बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। जिसके तहत तेंदूपत्ता संग्राहकों को अब संग्रहण पारिश्रमिक 4000 रूपए प्रतिमानक बोरा से बढ़ाकर 5500 रूपए प्रति मानक बोरा प्रदाय किया जाएगा। मंत्रिपरिषद ने तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा हेतु नवीन योजना संचालित किए जाने का निर्णय लिया है। इस नवीन योजना के संचालन के लिए शासन द्वारा 75 प्रतिशत एवं छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा 25 प्रतिशत धनराशि वित्तीय अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी।

मंत्रिपरिषद ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एक और गारंटी को पूरा करते हुए राज्य में महतारी वंदन योजना लागू करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत विवाहित महिलाओं को एक हजार रूपए प्रतिमाह अर्थात् साल में 12 हजार रूपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी।

इस योजना का उद्देश्य प्रदेश में महिलाओं के साथ लिंग विभेद, असमानता, जागरूकता की कमी होने के फलस्वरूप समाज में महिलाओं के विरूद्ध भेदभाव को समाप्त करने के साथ ही उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार लाना है। इस योजना से महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक स्वावलंबन को भी बढ़ावा मिलेगा। इस योजना का लाभ छत्तीसगढ़ निवासी विवाहित महिला, जिनकी आयु 1 जनवरी 2024 को 21 वर्ष से अधिक हो, को मिलेगा। विवाहित महिला के अलावा विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता महिलाओं को भी योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र किया गया है।

छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम, 2012 में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा अगस्त 2023 में जारी अधिसूचना में किए गए संशोधन को निरस्त कर पूर्ववत् किए जाने का निर्णय लिया गया। अगस्त 2023 में उक्त नियम में यह संशोधन किया गया था कि विभागीय जांच उपरांत, शास्ति प्रभावशील होने अथवा अपराधिक प्रकरण में न्यायालय द्वारा दंडित होने पर संविदा नियुक्ति के लिए अपात्र होंगे। इस संशोधन से ऐसे सेवानिवृत्त शासकीय सेवक जिनके विरूद्ध विभागीय जांच या अभियोजन के प्रकरण विचाराधीन अथवा प्रचलित है उन्हें भी संविदा नियुक्ति की पात्रता बन रही थी। जिसे मंत्रिपरिषद ने उचित नही मानते हुए इसे निरस्त कर संविदा नियम 2012 के प्रावधान को यथावत करने का निर्णय लिया है।

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में भारत (बीएच) सीरीज के वाहन पंजीयन लागू कराए जाने का निर्णय लिया गया। भारत सरकार द्वारा लागू बीएच सीरीज के तहत दो पहिया और चार पहिया वाहनों के लिए एक बार में दो वर्ष का टेक्स जमा कराना होगा।

छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

स्वदेशी मेला समापन समारोह में मुख्यमंत्री साय ने संदेश भेजकर व्यक्त की संवेदना

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के मुख्य मंत्री विष्णु देव साय ने नक्सलियों द्वारा की गई कायराना करतूत से शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी और उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की बात कही। स्वदेशी मेला समापन समारोह में मुख्य मंत्री ने संदेश भेजकर व्यक्त की संवेदना उन्होंने कहा की हमारी सेना के जवान हमारा गौरव हैं, हम उनके साथ हैंऔर शहीदों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, यह बातें मुख्य मंत्री ने स्वदेशी मेला संयोजकों को दूरभाष पर दिये संदेश में कहीं। उन्होंने कहा की नक्सलियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने के लिए हाई लेवल बैठक के कारण आज के समापन समारोह में मैं नहीं आ पा रहा हूँ लेकिन मेरी शुभाकामनाएँ आपके साथ हैं आप लोगों का प्रयास सरहानीय है। स्वदेशी मेला के सभी आयोजकों को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल और वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बधाई संदेश भेजे और देश को मजबूत बनाने में मेले की महती भूमिका को रेखांकित किया।

समापन समारोह में मेला संयोजक अमर बंसल, सह संयोजक ललित जैन, नवीन शर्मा, प्रांत संयोजक, स्वदेशी जागरण मंच जगदीश पटेल, प्रबंधक सुब्रत चाकी, अमरजीत सिंह छाबड़ा, जी आर जगत, शताब्दी पांडेय, सुनीता चंसौरिया, संजय चैधरी, रामनारायण व्यास, प्रवीण देवड़ा, इंदिरा जैन, मंजुला जैन, हर्शीला रूपाली, सीमा शर्मा द्वारा विगत सात दिनों से चली आ रही विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रतिस्पर्धियों को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मेले के आखिरी दिन क्राफ्ट प्रतियोगिता हुई। जिसमें घर में रखी अनुपयोगी वस्तुओं का बेहतरीन उपयोग कर खूबसूरत सजावट सामग्री, मंदिर, पेपर बैग, घड़ी सहित बहुत से सामान तैयार किए जो कि वेस्ट से बेस्ट बनने की मिसाल थे। इस प्रतियोगिता के प्रथम वर्ग में प्रथम रहीं दूबी ने राजस्थानी आर्ट वर्क, द्वितीय इशिता ने बर्थ डे सामग्री तथा तृतीय स्थान पर रहे आरव ने वॉल हैंगिंग तैयार की। दूसरे वर्ग बी में प्रथम रहीं प्रीति ने भव्य राम मंदिर व संयुक्त विजेता रहीं फोटो फ्रेम व घड़ी तैयार की, द्वितीय स्थान प्राप्त देवेंद्र ने बस्तर आर्ट व प्राची ने राम मंदिर तथा तृतीय स्थान विजेता शिवानी ने वॉटर प्यूरीफायर बनाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.राजेंद्र दुबे थे। प्रतियोगिता की निर्णायक मंडली में डॉ.खुशबू तिवारी, दर्शना राठौर, शीला शर्मा व अनामिका सिंह शामिल थीं। प्रतियोगिता की प्रभारी सुमन सिंह, भारती बागल, ए पी झा, सीमा साहू, कपिला सिंह, सविता मौर्य व पुष्पलता त्रिपाठी थीं। यह जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. मंजुला जैन द्वारा प्रदान की गई।

झारखंड : हेमंत सोरेन ने दिया इस्तीफा, चंपई सोरेन होंगे झारखंड के नए मुख्यमंत्री

रांची (आरएनएस)। जमीन घोटाले मामले में ईडी के निशाने पर आए झारखंड के मुख्यमंत्री ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया है. यह भी जानकारी सामने आई है कि ईडी ने उन्हें अरेस्ट करने का भी फैसला किया है. उधर चंपई सोरेन अब झारखंड के नए सीएम होंगे. चंपई सोरेन विधायक दल के नेता चुन लिए गए हैं. चंपई सोरेन सियासत में आने से पहले खेती बाड़ी करते थे. लेकिन शिबू सोरेन के सहयोगी रहे हैं. कई मौकों पर सीएम हेमंत सोरेन को इनका पैर छूते हुए भी देखा गया है. वहींहेमंत सोरेन से ईडी ने लंबी पूछताछ की और बताया गया कि एजेंसी उनके जवाब से संतुष्ट नजर नहीं आई है.

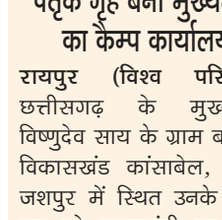

यह भी जानकारी सामने आई है कि हेमंत सोरेन 15 दिनों तक रांची में ईडी की कस्टडी में रह सकते हैं. उनसे बुधवार को दिन के डेढ़ बजे से उनके कांके रोड स्थित आवास पर पूछताछ चल रही थी. सोरेन के जवाब से संतुष्ट नहीं होने के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार करने का फैसला कर लिया है. सोरेन के गिरफ्तार होने की भनक मिलते ही सत्तारूढ़ गठबंधन ने नए नेता का चुनाव कर सरकार बनाने की तैयारी कर ली है. इसके लिए राज्यपाल से मिलने का समय मांगा गया. विधायक दल ने चंपई सोरेन को अपना नेता चुना है

मालूम हो कि ईडी ने हेमंत सोरेन के नई दिल्ली में शांति निकेतन स्थित आवास से सोमवार को ही 36 लाख रुपए कैश, एक बीएमडब्ल्यू कार और कुछ दस्तावेज बरामद किए थे. ईडी ने उनसे इसके बारे में कई सवाल पूछे. सोरेन ने इस बात से इनकार किया कि कैश और कार उनकी है. इसके अलावा रांची के बड़गाईं अंचल की करीब चार एकड़ जमीन के स्वामित्व को लेकर पूछे गए सवालों पर सोरेन के जवाब से ईडी के अफसर संतुष्ट नहीं हुए.

43 मेधावी विद्यार्थी सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र श्री हरिकोटा (ISRO) और आईआईटी मद्रास के ऐतिहासिक एक्पोजर विजिट के लिए रवाना

पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के विद्यार्थियों को मिला अवसर

विधायक रायमुनि भगत और कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जशपुर। (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ रवि मित्तल के द्वारा जशपुर जिले के 43 मेधावी विद्यार्थियों को आंध्रप्रदेश के श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र का निःशुल्क शैक्षिक भ्रमण कराया जा रहा है। अंतरिक्ष केंद्र के साथ ही साथ आईआईटी मद्रास का भी शैक्षणिक भ्रमण 31 जनवरी से 7 फरवरी तक विद्यार्थी करेंगे।

आज जशपुर विधायक रायमुनि भगत और कलेक्टर डॉ रवि मित्तल ने विद्यार्थियों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया और सभी को सुखद और सफल यात्रा के लिए शुभकामना दी है। इस भ्रमण का उद्देश्य विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों तथा तकनीकी जानकारियां को सीखने और विद्यार्थियों को अनुसंधान में आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करना है। सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र में विद्यार्थी वैज्ञानिकों से मुलाकात करेंगे। वहां अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों को समझने का उन्हें अवसर प्राप्त होगा। इस शैक्षणिक भ्रमण में आईआईटी मद्रास, इसरो प्रोपल्शन काम्प्लेक्स, स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (स्प्रक्र), चेन्नई के नजदीकी अन्य पर्यटक स्थल सम्मिलित रहेंगे।

संकल्प के प्राचार्य विनोद कुमार गुप्ता से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 43 मेधावी विद्यार्थियों में 23 बालिकाएं एवं 20 बालकों का चयन किया जाएगा। 43 विद्यार्थियों का चयन उनकी कक्षा 10 वीं में प्राप्त प्राप्तांकों के अनुसार मेरिट पर किया गया है। इस भ्रमण दल में दो विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के भी विद्यार्थियों को अवसर मिला है जो गणित संकाय ले कर कक्षा 11वीं में अध्ययनरत है। इनमें से एक विद्यार्थी संकल्प शिक्षण संस्थान जशपुर की छात्रा है तथा एक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बगीचा की छात्रा है। दोनो ही छात्राएं भविष्य में इंजीनियर बनना चाहती है। आईआईटी मद्रास भ्रमण करने से निश्चित रूप उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। आवेदन करने का अवसर जशपुर जिले के अंतर्गत संचालित सभी शासकीय, अशासकीय अथवा अनुदान प्राप्त विद्यालय के नियमित विद्यार्थियों को दिया गया था। भ्रमण में सम्मिलित होने के लिए ऑनलाइन लिंक जारी किया गया था। लिंक के माध्यम से कुल 106 मेधावी विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्त हुए थे। मेरिट क्रम में चयनित 43 विद्यार्थियों को जिला स्तर से शिक्षकों के दल के साथ चेन्नई के लिए रवाना किया गया है।

कलेक्टर द्वारा शपथ के साथ शुरू हुआ जिले में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान

13 फरवरी तक चलेगा अभियान

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर चंदन कुमार ने कुष्ठ के मरीजों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न करने, उन्हें सहयोग करने, संभावित मरीजों की शीघ्र पहचान करने, कलंक को समाप्त करने गरिमा को अपनाने की शपथ सभी अधिकारियों को दिलाई इसके साथ ही आज से स्पर्श कुष्ठ जागरूकता पखवाड़ा की जिले में शुरुआत की गई। उक्त अभियान राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के निर्वाण दिवस 30 जनवरी से लेकर यह पखवाड़ा अगले 2 सप्ताह चलेगा। इस बारे में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम पी महिस्वर के अनुसार इस कार्यक्रम के अंतर्गत इस वर्ष की थीम कलंक को हटाना, गरिमा को अपनाना निर्धारित की गई है। इस कार्यक्रम अंतर्गत अन्य विभागों जैसे - पंचायत, महिला बाल विकास, शहरी विकास, सामाजिक न्याय और अधिकारिता से समन्वय स्थापित कर ग्राम सभा आयोजित की जाएगी जिसमें कुष्ठ संदेश का वाचन किया जाएगा। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी के अनुसार जिले में अप्रैल 2023 से लेकर अब तक 285 नए केस निकल चुके हैं जिसमें 278 वयस्क और 7 बच्चे हैं। कुल केस में 117 एम बी कुष्ठ के हैं और शेष पीबी हैं। एक लाख पर वार्षिक केस दर 21.05 है गौरतलब है कि कुष्ठ रोग एक संक्रामक रोग है जो माइको बैक्टीरियम लेप्री नामक जीवाणु के कारण होती है। यह मुख्य रूप से शरीर मे त्वचा, तंत्रिका, ऊपरी स्वशन पथ नाक को अधिक प्रभावित करता है।

अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी

डोंगरीडीह में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करते 5 हाईवा जब्त

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देश पर जिले में अवैध खनिज परिवहन के मामलों में तेज़ी से कार्रवाई की जा रही है। अवैध रेत मुरूम खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। जिसके तहत 14 दिनों में 26 प्रकरणों पर 5 लाख 10 हजार रूपये से अधिक का लगाया गया जुर्माना लगाया गया है। जब्त गाड़ियों में एक सोल्ड सहित 18 टेक्टर, 2 चैन माउंटेन, 6 हाईवा समेत कुल 26 गाड़ियां शामिल है। खनिज शाखा से प्राप्त जानकारी अनुसार 15 जनवरी को रेत से भरे टैक्टर सीजी 22 टी 4625, सीजी 04 पीसी 4704, सीजी 04 एमएस 6405, 16 जनवरी को 2 माउंटेन चैन ओडी 08, टी 0336, ओडी 08 टी 2700, 17 जनवरी को टैक्टर सीजी 04 एमई 2035, 19 जनवरी को 5 रेत से भरे हाईवा डोंगरीडीह से सीजी 22 एक्स 7336, सीजी 28 पी 8255, सीजी 28 एन 7310, सीजी 28 क्यू 1811, सीजी क्यू 1844 शामिल है। इसी तरह 29 जनवरी को टैक्टर सीजी 22 एसी 1082, सीजी 04 एलएल 6090, सीजी 04 एचएल 8339, सोल्ड टैक्टर, सीजी 04 एलजे 1531, सीजी 04 पीएफ 7468, सीजी 04 एनबी 9376 शामिल है। इसके साथ ही आज 1 टैक्टर बोल्डर के परिवहन करते, 5 टैक्टर रेत के परिवहन करते एवं 1 चूना पत्थर से भरे हाईवा को जब्त किया गया है। सभी गाड़ियों को नजदीकी थाने के सुपुर्दगी में रखा गया है। उक्त प्रकरणों के निराकरण से कुल रु. 5 लाख 10 हजार अर्थदंड राशि की वसूली की जाएगी जो शासन के राजस्व में जमा होगा।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **टाटीबंध** कालोनी, रायपुर में निर्मित **एल.आई.जी.** योजना में से भवन/भूखण्ड क्र. **एल.आई.जी.-296 श्रीमती गुरुबचन कौर** पिता/पति **श्री करतार सिंह** को आबंटित/नामांतरित किया गया है। मूल आबंटी/नामांतरी द्वारा दिनांक **25.05.06** को विक्रय विलेख निष्पादित करा लिया गया है।

मूल आबंटी/नामांतरी की मृत्यु दिनांक **15.09.2013** को हो जाने के कारण **श्री हरभजन सिंह पिता/पति श्री करतार सिंह** द्वारा उक्त भव/भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, वारिसों (1) **लखविन्दर सिंह** (2) **अमरिक सिंह दोनों के पिता करतार सिंह** की सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन/भूखण्ड **श्री हरभजन सिंह पिता/पति श्री करतार सिंह** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि के 15 दिन के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कबीर नगर** कालोनी, रायपुर में निर्मित **ई.डब्ल्यू.एस.** भवन योजना के अंतर्गत दुकानों/भूखण्डों/भवन क्रमांक **ई.डब्ल्यू.एस. फ्लैट 2/505 पांचवा तल श्रीमती सुमित्रा नाहक** पिता/पति **श्री टुकुना नाहक** को भाड़ाक्रय/पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक **16.06.2020** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक **16.01.2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्री/श्रीमती **सुभाष चन्द्र मिश्रा** पिता/पति श्री **जीवनेश्वर मिश्रा** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि के 15 दिन के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कबीर नगर** कालोनी, रायपुर निर्मित **दीनदयाल आवास योजना** में से भवन/भूखण्ड क्रमांक **एल.आई.जी.-13/150 प्रथम तल श्रीमती गुड़िया यादव पति श्री उपेन्द्र यादव** को स्ववित्तीय/एकमुश्त/ऑफर आधार पर आबंटित/नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा दिनांक **10.05.2019** को लीजडीर/ सेलडीर / विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन **श्रीमती कायनात पति मो. फाजिल** के पक्ष में दिनांक **03.04.2021** को विक्रय कर दिया।

तद्उपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन/भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र विक्रय विलेख की छायापति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन/भूखण्ड क्रेता **श्रीमती कायनात पति मो. फाजिल तिवारी** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि के 15 दिन के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में **"ब" सुविधा दुकान क्रमांक-51, भू-तल (1) श्री गौरव अग्रवाल पिता स्व. डॉ. अर्जुनलाल अग्रवाल (2) श्री दिलीप केवलानी पिता स्व. श्री थांवरदास केवलानी** के संयुक्त नाम पर ऑफर आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक **26.12.2016** को संयुक्त नाम से सेलडीड पंजीकृत उपरांत दिनांक **31.10.2023** को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत हकत्याग कर्ता **श्री गौरव अग्रवाल पिता स्व. डॉ. अर्जुनलाल अग्रवाल** द्वारा उक्त दुकान को हकत्योग ग्रहिता **श्री दिलीप केवलानी पिता स्व. श्री थांवरदास केवलानी, पता- बी-6, गोमती विहार, गोल्डन एस्टेट, अमलीडीह, रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में दिनांक **09.01.2024** को हक त्याग कर दिया गया है। वर्तमान में हकत्याग ग्रहिता **श्री दिलीप केवलानी पिता स्व. श्री थांवरदास केवलानी,** द्वारा उक्त दुकान को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /8819/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 30-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8819
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802I00760** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DURGA SHANKAR MADEKA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARI SHANKAR MADEKA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HARIOM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJA RAM** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./8609/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 31-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8609
वार्ड का नाम-49- गुरु घासीदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR344F0043A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **रेलुमल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री सुन्दमल** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री सुरेश कुमार आहूजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री रेमुमल आहूजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायाब तहसीलदार, मंदिरहसौद, तहसील आरंग जिला- रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

राजस्व प्रकरण क्रमांक : ब / 121
ग्राम : डुमहा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **शंकर लाल बेनर्जी पिता श्री जगदीश प्रसाद बेनर्जी ग्राम डुमहा तहसील आरंग** द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने **पुत्र** / पुत्री / पिता / माता / दादा **चन्द्र प्रकाश बेनर्जी** के **जन्म** / मृत्यु दिनांक **15/05/2007** है। का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक **जन्म** / मृत्यु को आदेश जारी करने की मांग किया है ताकि **जन्म** / मृत्यु का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सकें।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा / आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक **13/02/2024** तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक **29/01/2024** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी किया गया।

(मुहर) **नायाब तहसीलदार**
समोदा आरंग

न्यायालय नायाब तहसीलदार, मंदिरहसौद, तहसील आरंग जिला- रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

राजस्व प्रकरण क्रमांक : ब / 121
ग्राम : डुमहा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **शंकर लाल बेनर्जी पिता श्री जगदीश प्रसाद बेनर्जी ग्राम डुमहा तहसील आरंग** द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने **पुत्र** / पुत्री / पिता / माता / दादा **वेंकेट बेनर्जी** के **जन्म** / मृत्यु दिनांक **28/08/2005** है। का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक जन्म / मृत्यु को आदेश जारी करने की मांग किया है ताकि जन्म / मृत्यु का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सकें।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा / आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक **13/02/2024** तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक **29/01/2024** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी किया गया।

(मुहर) **नायाब तहसीलदार**
समोदा आरंग

न्यायालय नायाब तहसीलदार, मंदिरहसौद, तहसील आरंग जिला- रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

राजस्व प्रकरण क्रमांक : ब / 121
ग्राम : डुमहा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **शंकर लाल बेनर्जी पिता श्री शंकर लाल बेनर्जी ग्राम डुमहा तहसील आरंग** द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने पुत्र / **पुत्री** / पिता / माता / दादा **भूमिका बेनर्जी** के **जन्म** / मृत्यु दिनांक **19/11/2001** है। का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक **जन्म** / मृत्यु को आदेश जारी करने की मांग किया है ताकि **जन्म** / मृत्यु का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सकें।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा / आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक **13/02/2024** तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक **29/01/2024** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी किया गया।

(मुहर) **नायाब तहसीलदार**
समोदा आरंग

न्यायालय नायाब तहसीलदार, मंदिरहसौद, तहसील आरंग जिला- रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

राजस्व प्रकरण क्रमांक : ब / 121
ग्राम : डुमहा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **शंकर लाल बेनर्जी पिता श्री जगदीश प्रसाद बेनर्जी ग्राम डुमहा तहसील आरंग** द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने **पुत्र** / पुत्री / पिता / माता / दादा **गिरीश कुमार बनेर्जी** के जन्म / मृत्यु दिनांक **29/03/2003** है। का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक **जन्म** / मृत्यु को आदेश जारी करने की मांग किया है ताकि **जन्म** / मृत्यु का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सकें।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा / आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक **13/02/2004** तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक **29/01/2024** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी किया गया।

(मुहर) **नायाब तहसीलदार**
समोदा आरंग

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में **"अ" (सुविधा) कार्नर दुकान क्र.-36, भू-तल, श्री लक्ष्मण साहू पिता स्व. श्री मेहतरू साहू, निवासी- ई-23, संकल्प गार्डन, समता कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.),** के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड सपरिवर्तन किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में **"ब" सुविधा दुकान क्र.-35, भू-तल, श्री परमानंद साहू पिता श्री रमेश कुमार साहू, निवासी- 15/461, सिंधी स्कूल गली के सामने, जोरापारा, रायपुर (छ.ग.),** के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड सपरिवर्तन किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 627 दिनांक 30.01.2024
वार्ड का नाम- सुभाष चन्द्र बोस,
वार्ड क्र.- 35 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **35** मांग **पंजी क्र. 204 युआईडी 29103** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **प्रितराम देवांगन/ रामभरोसा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **लाला ध्रुव एवं ना.बा. गोवर्धन / स्व. रामसिंग ध्रुव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/लिखत, द्वारा/वंशानुक्रम/बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-02-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की काई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 626 दिनांक 30.01.2024
वार्ड का नाम- मो. अब्दुल रउफ,
वार्ड क्र.- 28 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **28** मांग **पंजी क्र. 451 युआईडी 26129** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **महेश अग्रवाल/ दिलीप अग्रवाल** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ज्योति आचार्य / मनोज आचार्य** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/लिखत, द्वारा/वंशानुक्रम/बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-02-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की काई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 625 दिनांक 30.01.2024
वार्ड का नाम- मो. अब्दुल रउफ,
वार्ड क्र.- 28 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **28** मांग **पंजी क्र. 275 युआईडी 25953** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **श्यामा शर्मा / अशोक शर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **अशोक शर्मा / भखमचंद शर्मा, मनीष शर्मा /अशोक शर्मा, रुपेश शर्मा /अशोक शर्मा, आशीष शर्मा/ अशोक शर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/लिखत, द्वारा/वंशानुक्रम/बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-02-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की काई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 629 दिनांक 30.01.2024
वार्ड का नाम- रानी लक्ष्मीबाई
वार्ड क्र.- 7 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **7** मांग **पंजी क्र. 180 युआईडी 12834** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **नरेश खरे / विष्णु खरे** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **अंजोर दास / विष्णु** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/लिखत, द्वारा/वंशानुक्रम/बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-02-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की काई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 628 दिनांक 30.01.2024
वार्ड का नाम- रानी लक्ष्मीबाई
वार्ड क्र.- 7 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **7** मांग **पंजी क्र. 84 युआईडी 12738** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **सुभाष गिरी / नारायण गिरी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **बन्दू कालू पूरी / कालू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/लिखत, द्वारा/वंशानुक्रम/बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-02-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की काई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /8831/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 30-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8831
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802J00412** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VAIDEHI SHARAN MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **R.S. MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANAMIKA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHESHNARAYAN VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /8815/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 30-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8815
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802I00759** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARDAR JAGTAR SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GURNAM SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **REKHA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARIOM SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /8833/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 30-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8833
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802G00305** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RINKU SAHU, PINKU SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHASHI BHUSHAN SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEEPALI DHAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRASANT DHAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, गुरूवार 01 फरवरी 2024

अनियमितता वाली शिकायतों पर एक सप्ताह में हो जांच उपरांत कार्यवाही - कलेक्टर

बैठक में कलेक्टर ने श्रम विभाग और महिला बाल विकास विभाग को ईंट भट्ठों पर बालबाड़ी संचालन के संबंध में निर्देश दिए।

कोरबा (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने टीएल के लंबित प्रकरणों पर जांच उपरांत शीघ्रता कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभिन्न योजनाओं तथा कार्यों में अनियमितता संबंधी शिकायतों पर एक सप्ताह के भीतर जांच करने एवं आगे की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड बनाने शिविर लगाने और एसडीएम, जनपद सीईओ के माध्यम से ग्राम पंचायतवार सचिव, रोजगार सहायकों को जिम्मेदारी देने तथा अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करते हुए जिले के सभी पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभागों में वेतन एवं पेंशन के प्रकरणों के निराकरण, अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सोमवार को मुख्यालय स्थित कार्यालय में अपनी उपस्थिति देने तथा आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को सोमवार और मंगलवार छोड़कर फील्ड पर विजिट करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने श्रम विभाग और महिला बाल विकास विभाग को ईंट भट्ठों पर बालबाड़ी संचालन के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग को दिव्यांगजन प्रमाण पत्र वितरण, परिवहन एवं पर्यावरण विभाग को सड़क पर राखड़ लेकर चलने वाले वाहनों में बिना तिरपाल ढंके होने पर कार्यवाही करने, खनिज विभाग को रेत खनन हेतु रेतघाट की स्वीकृति के संबंध में आगे की कार्यवाही करने, श्रम और औद्योगिक सुरक्षा विभाग को श्रमिकों से जुड़ी समस्याओं का निरंतर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में अग्निवीर की भर्ती हेतु रोजगार अधिकारी के माध्यम से युवाओं को भर्ती हेतु जागरूक करने, सभी विभागीय अधिकारियों को पीपीईएस सॉफ्टवेयर में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों की जानकारी एंट्री करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंच मार्ग, आंगनबाड़ी तथा स्कूलों में बाह्य और भीतरी कक्ष में विद्युतीकरण, अविद्युतीकृत गांवों के विद्युतीकरण, लंबे समय से निलंबित कर्मचारियों के प्रकरणों पर आवश्यक जांच उपरांत बहाली संबंधी कार्यवाही, विभागीय संबंधी आवश्यकताओं पर डीएमएफ अंतर्गत प्रस्ताव प्रस्तुत करने, आत्मानंद विद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में डीएफओ श्री अरविंद पीएम, निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, जिला पंचायत सीईओ श्री संबित मिश्रा सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने जनचैपाल में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

कोरबा (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जनचैपाल में आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। जनचैपाल में वनाधिकार पट्टा बनाने, पेंशन, सीमांकन, अतिक्रमण हटाने, उपचार हेतु आर्थिक सहायता, प्रधानमंत्री आवास, जाति प्रमाण पत्र बनाने आदि के आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर निर्देशित किया है कि आवेदनों का परीक्षण कर शासन के नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनचैपाल में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि आवेदक को दोबारा जनचैपाल में ना आना पड़े। जनचैपाल में दूरस्थ क्षेत्रों से अपनी समस्या लेकर पहुंचने वाले अनेक आवेदकों से कलेक्टर ने कहा कि जिला मुख्यालय आने से पूर्व एक बार संबंधित विभाग प्रमुख, क्षेत्र के जनपद सीईओ, तहसीलदार और एसडीएम को अपना आवेदन अवश्य दें। वहां कार्यवाही नहीं होने पर कलेक्टर जनचैपाल में आएं, ताकि आवागमन में व्यर्थ पैसे बर्बाद न करना पड़े। कलेक्टर ने एसडीएम जनपद सीईओ और तहसीलदारों को भी निर्देशित किया है कि वे अपनी समस्या लेकर आने वाले लोगों का आवेदन लें और उन्हें पावती देकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

एआरएम ने क्रिकेट के विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

कोरबा (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे कोरबा प्रबंधन के द्वारा वार्षिक एआरएम क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन न्यू रेलवे कालोनी स्थित मैदान में किया गया। रेल कर्मियों और स्थानीय विद्यार्थियों की टीमों ने इसमें हिस्सा लेने के साथ प्रदर्शन किया। समापन दिवस पर क्षेत्रीय रेल प्रबंधक जगदीप ने विजेता और उप विजेता सहित अन्य खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए। टूर्नामेंट के सभी मैच नॉकआउट पद्धति से खेले गए। अंकों के आधार पर टीमों को अगले चक्र में प्रवेश दिया गया। फाइनल मुकाबले के बाद पुरस्कार वितरण कार्यक्रम किया गया। एआरएम जगदीप ने अपनी बात रखते हुए कहा कि मूल काम के साथ कर्मियों को दूसरे कार्यों से जोड़ा जा रहा है, जिसमें उनकी प्रतिभा नजर आ रही है। खेलकूद को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताने के साथ कहा कि खेल से अनुशासन, एकता प्राप्त होती है और शारीरिक विकास भी होता है। कार्यक्रम में मुख्य स्टेशन मास्टर आनंद गुप्ता सहित रेलवे के विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजन उपस्थित थे।

लुटेरा को गिरफ्तार कर भेजा गया जिला कारागार

कोरबा (विश्व परिवार)। सिटी कोतवाली क्षेत्रांर्गत राताखार क्षेत्र में लगातार आतंक मचा रखे लुटेरा को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार दाखिल कर दिया गया। जानकारी के अनुसार रामसागरपारा निवासी लखन राजपूत उम्र 20 पिता दशरथ सिंह राजपूत अपने साथियों का एक गिरोह बनाकर अक्सर राताखार चैक एवं बजरंग चैक के पास आने-जाने वाले दुपहिया चालकों एवं ट्रक चालकों को शिकार बनाकर लूट की वारदातों को अंजाम देते चला आ रहा था। पिछले वर्ष 2023 में आरोपी ने अपने गिरोह के सदस्यों के साथ राताखार में ट्रक वालों से उनके किराये के रूपए तथा मोबाइलों की लूट वारदात को अंजाम दिया था। उस दौरान तत्कालीन टीआई रूपक शर्मा ने अपने हमराह स्टाफ के साथ इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी एवं उसके साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बताया जाता है कि आरोपी उपरोक्त अपराध क्रमांक 137ध्23 धारा 392, 34 लूट के मामले में जेल से छूटने के बाद फरार हो गया था और न्यायालय में पेशी तारीख को उपस्थित नहीं हो रहा था। जिसके कारण कोरबा न्यायालय द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए वारंट जारी किया गया था। न्यायालय के आदेशों का परिपालन करते हुए मौजूदा टीआई अभिनवकांत सिंह के मार्गदर्शन में एएसआई लक्ष्मीकांत कुर्रे, आरक्षक चित्रकांत गुप्ता, सुनील सिंह राजपूत और नवरतन सिदार ने आरोपी को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। जिसे न्यायालय पेश किया गया। न्यायालय ने आरोपी को तत्काल प्रभाव से न्यायिक अभिरक्षा में पुलिस के माध्यम से जिला कारागार दाखिल करवा दिया।

अवैध मादक पदार्थ विक्रेताओं पर कसी जा रही नकेल

कोरबा (विश्व परिवार)। जिले में अपनी पदस्थापना के बाद से ही पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने मातहत राजपत्रित पुलिस अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चैकी प्रभारियों को अवैध रूप से मादक पदार्थ बिक्री करने वालों पर नकेल कसने के लिए क्राइम मीटिंग में निर्देशित किया था। इसी कड़ी में विभिन्न थाना एवं चैकियों के प्रभारियों द्वारा एक ओर जहां विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब, गांजा बिक्री करने वालों को पकडकर जेल भेजा जा रहा है।

कोरबा लोकसभा की बैठक में जीत के मंत्र सिखाए क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जमवाल ने

कोरबा (विश्व परिवार)। केंद्र में भाजपा की सरकार बनाने पी एम मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सभी ग्यारह सीटों पर विजय हासिल हो सके, इस हेतु संगठनात्मक स्तर पर सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मिले दायित्व का निर्वहन करना होगा। लोकसभा स्तर पर सम्मेलन कराया जाए, विधानसभा में समस्त पदाधिकारी प्रवास करें एवं संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित करें, बूथ कमेटियो में समन्वय हो, पन्ना कमेटी वास्तविक रूप में कार्य करें, शक्ति केदो की समीक्षा की जाए, आगामी लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक सीट जीतकर केंद्र में सरकार बनाना हमारा लक्ष्य उक्त बातें क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने कोरबा जिले में लोकसभा स्तरीय समीक्षा बैठक में कही। प्रदेश पदाधिकारी भाजपा,जिला अध्यक्ष, महामंत्री भाजपा, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, संभाग प्रभारी सहप्रभारी जिला प्रभारी सह प्रभारी, मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चो के जिला अध्यक्ष, प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक, लोकसभा के प्रभारी संयोजक, सहसंयोजक, विधानसभा के प्रभारी संयोजक की बैठक कोरबा लोकसभा क्रमांक 4 में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय ने ली। प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय ने आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से लोकसभा स्तरीय कार्यालय एवं विधानसभा स्तरीय चुनाव कार्यालयों को सक्रिय बनाने निर्देश दिया। बूथ स्तर पर एएक बार फिर से मोदी सरकारए का दिवार लेखन की जानकारी देते हुए क्लस्टर स्तर की बैठक एवं विविध मोर्चा सम्मेलन करवाने पर चर्चा की। क्लस्टर प्रभारी बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने विशेषकर कोरबा लोकसभा में शामिल समस्त विधानसभा क्षेत्र से रणनीति बनाकर भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए एवं जन-जन तक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की पहुंच उपलब्ध कराने हेतु अपील की।लोकसभा चुनाव के चलते तीन तरह के प्रवास की योजना बनाई गई है। इसमें पहला क्लस्टर प्रवास, दूसरा लोकसभा और तीसरा विधानसभा प्रवास शामिल है। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए तीन तरह की प्रबंधन समितियां बनाने का भी निर्णय लिया गया है।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिया अन्तर्विभागीय समन्वय पर जोर

महासमुंद (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री प्रभात मलिक ने आज शाम समय सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने अन्तर्विभागीय समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि विभागों के आपसी समन्वय से बेहतर एवं परिणाम मूलक कार्य करें। उन्होंने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा की। महिला एवं बाल विकास विभाग को नोनी सुरक्षा योजना के तहत हितग्राहियों के नए पंजीयन करने के निर्देश दिए। साथ ही विभागीय पोषण ट्रैकर में दर्ज बच्चों का आधार अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का आधार अद्यतन हो। कृषि विभाग को पीएम किसान सम्मान निधि अंतर्गत वन पट्टाधिकार प्राप्त किसानों तथा विशेष पिछड़ी जनजाति किसानों को चिन्हांकित करते हुए पात्रतानुसार लाभ देने के निर्देश दिए। इसके लिए कलेक्टर ने मैदानी स्तर पर सभी कृषि विस्तार विकास अधिकारियों की बैठक लेने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकाधिक किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री मलिक ने राशन कार्ड नवीनीकरण के पहले ई-केवाईसी करने पर जोर देते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उचित मूल्य की दुकान व समितियों में इसके लिए निर्देश दिए जाएं। साथ ही कहा कि प्रत्येक राशन दुकानों में न्यूनतम 10 लीटर केरोसिन अनिवार्य रूप से रखा जाएं। कलेक्टर श्री मलिक ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान कार्ड की समीक्षा करते हुए साप्ताहिक प्रगति की जानकारी ली।

शिकायत से नाराज अधीक्षिका ने बच्चियों को बुरी तरह पीटा

कोरबा (विश्व परिवार)। एकलव्य आवासीय विद्यालय के छात्रावास में अव्यवस्था को लेकर परिजनों की शिकायत से नाराज अधीक्षिका ने बच्चियों से मारपीट कर दी। इसकी जानकारी मिलने पर अब परिजनों ने फिर से जिला कलेक्टर और मंत्री से शिकायत करते हुए उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञात हो कि बच्चों से मिलने पहुंचे परिजनो सें बच्चियों ने हॉस्टल में अव्यवस्थाओं को लेकर शिकायत की थी. जिसकी जानकारी मिलने के बाद अधीक्षिका ने एक बच्ची का बाल खींचकर मारपीट की. इस घटना से हॉस्टल के छात्राओं में दहशत का माहौल है. घटना की जानकारी पर आदिवासी विकास विभाग ने जांच टीम गठित कर जांच तो कराई, लेकिन पीड़ित बच्चियों का बयान नहीं लिया गया. जो कार्रवाई पर सवालिया निशान भी खड़ा कर रहा है. वहीं परिजनों ने आरोप लगाया कि,आदिवासी विकास विभाग अधीक्षिका को बचाने का प्रयास कर रहा है. इतना ही नहीं आरोप तो ये भी है कि, अधीक्षिका के पति का भी हॉस्टल में आना-जाना लगा रहता है. जिसको लेकर परिजनों ने अधीक्षिका पर कार्रवाई करने की मांग की है. कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

सरकारी और उपक्रमों की जमीन पर हो रहा अतिक्रमण

कोरबा (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में नई सरकार का रूख अवैध कब्जों और दूसरी गैरजरूरी गतिविधियों को लेकर सख्त है, इस तरह का प्रदर्शन पिछले कुछ दिनों से देखने को मिल रहा है। इसमें अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ दूसरे मामले शामल हैं। इन सबके बावजूद कोरबा शहरी क्षेत्र में सरकारी और उपक्रमों की जमीन को हड़पने का बड़ा खेल जारी है। जिस अंदाज में यह सब चल रहा है उससे प्रतीत होता है कि राजनीतिक और सरकारी संरक्षण के बिना ऐसा संभव नहीं है। शायद इसलिए ऐसे मामलों को एक तरह से छोड़ दिया गया है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोरबा क्षेत्र द्वारा बीते दशकों में अपने निजी प्रयोजन के लिए लीज पर ली गई जमीन का काफी हिस्सा बेजा कब्जा की भेंट चढ़ गया है और चढ़ रहा है। मानिकपुर की तरफ जाने वाले रास्ते में ऐसे नजारे आम हो गए हैं। मानिकपुर नाला के करीब खाली पड़ी जमीन को हड़पने का काम पूरी रफ्तार से चल रहा है। बीते वर्षों में 4-5 निर्माण यहां पर नजर आ रहे थे अब इनकी संख्या कई गुना बढ़ गई है। दावा किया जा रहा है कि नेतानुमा कई लोग ठेके पर इस काम को करा रहे हैं। वोट बैंक के चक्कर में न तो इस तरफकार्रवाई हो रही है और न ही एसईसीएल अपने कोटे की जमीन को बचाने के लिए गंभीर हो रहा है। ऐसे में अतिक्रमणकारियों की बल्ले-बल्ले है। अतिक्रमण की यही रफ्तार मुड़ापार हेलीपेड इलाके में भी बनी हुई है। यहां की जमीन का वास्ता भी एसईसीएल से ही जुड़ा हुआ है। जमीन को अवैध कब्जा से बचाने के लिए बीते वर्ष स्थानीय प्रशासन और नगर निगम के द्वारा एक-दो मौके पर तोडफोड़ की कार्रवाई की गई लेकिन बाद में हालात ढाक के तीन पात वाले हो गए। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान यहां कई सामाजिक संगठनों के द्वारा अपने बैनर, पोस्टर लगा दिए गए। सरकारी जमीन को यूं ही हासिल करने के लिए इस तरह की कोशिश की गई। हर्रा लगे न फिटकिरी वाले अंदाज में इस काम को किया गया। करोड़ों कीमत की इस जमीन को अतिक्रमण की भेंट चढ़ते हुए एसईसीएल देख रहा है और प्रशासन भी। कमोबेश यही स्थिति राताखार बायपास से लेकर गेरवाघाट इलाके की बनी हुई है। यहां दिखावे के तौर पर पिछले दिनों नगर निगम की ओर से सामान्य कार्रवाई की गई थी लेकिन अभी भी मुख्य सडक के आसपास अवैध कब्जे बरकरार हैं। इन्हें क्यों छोड़ दिया गया है यह समझ से परे है। दूसरी ओर लचर रवैये के कारण अतिक्रमण करने वालों के हौसले मजबूत होते जा रहे हैं। याद रहे उदासीन रूख के चलते ही रेलवे स्टेशन के सामने पहाड़ी और नीचे मरघट पर अतिक्रमण बीते वर्षों में हो चुका है।

डीएमएफ का पैसा शासन का, इस राशि का उपयोग जिले के विकास कार्यों के लिए हो - कलेक्टर

प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

कोरबा (विश्व परिवार)। जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत प्रबंधकारिणी समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि खनिज विकास निधि अंतर्गत राशि भी शासन का ही पैसा है। इस राशि का सदुपयोग जिले के विकास कार्यों के लिए किया जाना चाहिए। डीएमएफ की राशि आबंटित होने पर संबंधित विभाग को शासन के नियमों का पूरी तरह से पालन करते हुए समय पर कार्य सुनिश्चित करने के साथ ही डीएमएफ से होने वाले निर्माण कार्य, सप्लाई अथवा खरीदी की प्रक्रिया में गुणवत्ता, भण्डार क्रय नियम और अंतिम भुगतान के पूर्व सत्यापन का भी पूरा ध्यान रखा जाना जरूरी है। उन्होंने लापरवाही पर नियमानुसार कार्यवाही की बात भी कही। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में कलेक्टर ने एजेण्डावार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राशि स्वीकृत होने के पश्चात् लंबे समय से अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अप्रारंभ कार्यों की सूची तैयार रखते हुए शासन के निर्देशों के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अयोध्या धाम जाने वाली पहली आस्था स्पेशल ट्रेन रद्द

बिलासपुर (विश्व परिवार)। एसइसीआर से अयोध्या धाम जाने वाली पहली आस्था स्पेशल ट्रेन रद्द हो गई है। 31 जनवरी को गोंदिया से अयोध्या धाम जाने वाली इस आस्था स्पेशल ट्रेन को कैंसल कर दिया गया है। अब 4 फरवरी को पहली आस्था ट्रेन दुर्ग से अयोध्या धाम के लिए रवाना होगी। पहली ट्रेन में 1344 यात्री बतौर दर्शनार्थी यात्रा करेंगे, जिसकी बुकिंग भी फुल हो चुकी है। जानकारी के अनुसार एसइसीआर से फिलहाल 5 आस्था स्पेशल ट्रेनों का शेड्यूल तैयार किया गया है, जिसमें पहली ट्रेन दुर्ग से 4 फरवरी को, दूसरी ट्रेन भी दुर्ग से ही 7 फरवरी को, तीसरी ट्रेन 14 फरवरी को रायपुर से, चौथी ट्रेन 18 फरवरी को बिलासपुर से और पांचवी ट्रेन 21 फरवरी को अनुपपुर से अयोध्या धाम के लिए रवाना होगी। इसमें दर्शनार्थियों के जाने आने के साथ खाने पीने की पूरी व्यवस्था होगी। 20 स्लीपर कोच के साथ आस्था स्पेशल ट्रेन का परिचालन होगा। बताया जा रहा है, भाजपा और हिंदू संगठन इन ट्रेनों का परिचालन करा रहे हैं, जिसमें विधानसभा वार दर्शनार्थियों को अयोध्या धाम दर्शन करने के लिए ले जाया जा रहा है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरूवार 01 फरवरी 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

इजराइल-हमास लड़ाई में भी दोहरा मापदंड

बलबीर पुंज

जो पाकिस्तान पिछले 100 दिनों से अन्य कुछ इस्लामी देशों की भांति हमास-विरोधी इजराइली सैन्य अभियान में कई 'निर्दोष फिलीस्तीनियों' के मारे जाने पर आंसू बहा रहा है, पर उसी देश के पूर्व तानाशाह जनरल जिया-उल-हक ने ही जॉर्डन के 10 दिवसीय 'ब्लैक सितंबर' में इजराइल के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हजारों फिलीस्तीनियों के कत्लेआम में रणनीतिक भूमिका निभाई थी।..इस घटना के लिए जिया को फ़िलिस्तीनियों का 'कसाई' कहकर संबोधित किया जाता है। इजराइल-हमास युद्ध को 100 दिन से अधिक हो गए है। यह युद्ध अभी तक हजारों को लील चुका है, तो गाजा-पट्टी का आधा हिस्सा इजराइली बमबारी से मलबे में तब्दील हो गया है। इजराइल और फिलीस्तीन के असंख्य नागरिक के खिलाफ हो रहा अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इस मानवीय त्रासदी के लिए कौन जिम्मेदार है? इजराइल या हमास (इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन) रूपी फिलीस्तान समर्थित संगठन? इजराइल अपनी स्थापना (1948) से अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। जब भी उसपर मजहबी कारणों से आक्रमण होता है, तब वह प्रतिकार करते हुए कोई रियायत नहीं बरतता। परंतु हमास का युद्ध मजहबी उन्माद से प्रेरित है और काफिर-कुफ्र अवधारणा से प्रेरणा पाता है। हमास, दुनिया के कई देशों द्वारा घोषित आतंकवादी संगठन है। परंतु एक वैश्विक वर्ग, जोकि वाम-उदारवादियों और मुस्लिम कट्टरपंथियों का एक समूह है— वह प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से इजराइल पर हमला करने वाले हमास के प्रति सहानुभूति रख रहा है। उनके लिए दुनिया का एकमात्र यहूदी राष्ट्र— इजराइल ही दोषी है। इसे पूर्वाग्रह की पराकाष्ठा कहेंगे कि इजराइल में जिस तरह दानवी कृत हमास के जिहादियों ने किया, जिसमें उन्होंने पालने में सोते ढेरों मासूम बच्चों की गला रेतकर हत्या तक कर दी या उन्हें जीवित जला दिया— उसके समर्थन में इस कुनबे द्वारा नैरेटिव बनाया जा रहा है कि हमास का हमला 'फिलीस्तीन पर जबरन इजराइली कब्जे' का बदला है, जबकि प्रतिकारस्वरूप सैन्य कार्रवाई कर रहा इजराइल हजारों फिलीस्तानियों का दमन कर रहा है। यदि ऐसा है, तो यह कुनबा 'ब्लैक सितंबर' के बारे में क्या कहेगा? इजराइल के पड़ोस में जॉर्डन नामक इस्लामी राष्ट्र है, जिसके शासक राजा अब्दुल्ला-2 शाही हाशमाइट साम्राज्य (1946 से अबतक) से है, जिसे पैगंबर मोहम्मद साहब का प्रत्यक्ष वंशज माना जाता हैं। बात वर्ष 1967 की है। उस समय इजराइल के खिलाफ हुए छह दिवसीय मजहबी युद्ध में मिस्र, जॉर्डन और सीरिया की प्रचंड पराजय हुई थी। तब लाखों फिलीस्तीनियों को जॉर्डन के तत्कालीन साम्राज्य राजा हुसैन ने शरण दी। इसी कालखंड में 'फिलिस्तीन मुक्ति संगठन' (पीएलओ) के सहयोग से 'फतह', 'फिदायीन' और 'पीएफएलपी' नामक समूहों का गठन भी हो चुका था, जो यहूदी राष्ट्र इजराइल को दुनिया से मिटाने हेतु जॉर्डन में अपनी शक्ति बढ़ाने लगे। अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए वे प्रत्येक अंतराल पर इजराइली ठिकानों पर हमला करते। इससे उनकी लोकप्रियता अरब देशों में काफी बढ़ने लगी। उस समय पीएलओ का मुख्यालय जॉर्डन के अम्मान में था। इसी बीच मिस्र ने 1969 में इज़राइल पर फिर हमला कर दिया, जिसमें जॉर्डन से संचालित 'पीएलओ', 'फतह', 'फिदायीन' और 'पीएफएलपी' ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तब मिस्र-जॉर्डन-इजराइल के बीच 1970 में अमेरिका के कूटनीतिक 'रॉजर प्लान' से युद्धविराम हुआ। इससे नाराज़ पीएलओ ने हाशमाइट सम्राट हुसैन को चुनौती दी, जिस जॉर्डन ने उन्हें शरण दी, उसपर कई हमले किए और उसमें ही अलग 'फिलिस्तीन' राष्ट्र बनाने का प्रयास शुरू कर दिया। कालांतर में पीएफएलपी ने सम्राट हुसैन की हत्या की भी कोशिश की, जिसमें असफल होने से बौखलाए पीएफएलपी ने दो अमेरिकी और एक स्विस हवाई जहाजों का अपहरण कर लिया और उन्हें जॉर्डन ले आए। 56 यहूदियों और छह अमेरिकी नागरिकों को छोड़कर अन्य सभी यात्रियों को रिहा कर दिया और जॉर्डन पर दवाब बनाने के लिए पीएफएलपी आतंकियों ने दो खाली जहाजों को बम से उड़ा दिया। यह घटनाक्रम फिलीस्तीनी समूहों द्वारा जॉर्डन की स्वायत्तता पर गहरा प्रहार था। सम्राट हुसैन ने 16 सितंबर 1970 को अपनी सेना को फिलिस्तीनी-नियंत्रित क्षेत्रों पर हमले के निर्देश दे दिए, जिसे 'ब्लैक सितंबर' नाम से जाना जाता है। कई रिपोर्टों के अनुसार, उस समय मारे गए फिलिस्तीन समर्थक लड़ाकों की अनुमानित संख्या 25,000 या उससे अधिक थी। दिलचस्प यह भी है कि जो पाकिस्तान पिछले 100 दिनों से अन्य कुछ इस्लामी देशों की भांति हमास-विरोधी इजराइली सैन्य अभियान में कई 'निर्दोष फिलीस्तीनियों' के मारे जाने पर आंसू बहा रहा है, पर उसी देश के पूर्व तानाशाह जनरल जिया-उल-हक ने ही जॉर्डन के 10 दिवसीय 'ब्लैक सितंबर' में इजराइल के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हजारों फिलीस्तीनियों के कत्लेआम में रणनीतिक भूमिका निभाई थी। जिया उस समय ओमान में पाकिस्तानी दूतावास में कार्यरत थे। तब जिया ने जॉर्डन सेना को पीएलओ के खिलाफ लड़ने हेतु विशेष प्रशिक्षण दिया था। इस घटना के लिए जिया को फ़िलिस्तीनियों का 'कसाई' कहकर संबोधित किया जाता है। क्या तब पाकिस्तान के समर्थन से जॉर्डन के मुस्लिम शासक, जो पैंगबार साहब के प्रत्यक्ष वंशज हैं— उनके द्वारा हजारों फिलीस्तीनियों की मौत पर कोई हो-हल्ला हुआ था, जैसे इजराइल-हमास युद्ध में हो रहा है? यदि तब सम्राट हुसैन द्वारा अपने देश की एकता और अखंडता सुरक्षित रखने के लिए फिलीस्तीनियों पर सैन्य कार्रवाई गलत नहीं थी, तब इजराइल द्वारा हमास के 7 अक्टूबर 2023 को किए भीषण आक्रमण का प्रतिकार, जिसमें गाजा-पट्टी पर रॉकेट-टैंक से हमला हो रहा है— उसपर हायतौबा क्यों? यह विंडबना केवल फिलीस्तीनियों तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान ने अपने वैचारिक कोख से जिन हजारों-लाख जिहादियों को पैदा किया, वह उसके लिए भी भस्मासुर बन रहे है। पूर्व तानाशाह जिया-उल हक के कार्यकाल (1978-88) के बाद पाकिस्तान में शिया-सुन्नी और अहमदिया संप्रदायों के बीच मजहबी टकराव को बढ़ावा मिला। एक आंकड़े के अनुसार, पाकिस्तानी वैचारिक अधिष्ठान द्वारा पनपाए आतंकवाद ने दीन के नाम पर बीते दो दशकों में 70,000 पाकिस्तानियों (शत-प्रतिशत मुस्लिम) को मौत के घाट उतार दिया है। अकेले वर्ष 2010-18 में सुन्नी मुस्लिम मजहबी कारणों से लगभग 5,000 शिया मुसलमानों की हत्या कर चुके है। कई अन्य इस्लामी देश भी इसी प्रकार के दीनी संघर्ष से दो-चार है।

कनाडा का आक्रामक रुख

कनाडा ने अब भारत पर 2021 में वहां हुए आम चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने का आरोप लगा दिया है। कनाडा की जस्टिन ट्रुडो सरकार ने पहले ऐसा आरोप चीन पर लगाया था। उस मामले की जांच के लिए उसने एक आयोग बनाया हुआ है। कनाडा सरकार ने भारत के खिलाफ अपने आक्रामक रुख को और आगे बढ़ाया है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर नया प्रहार हुआ है। कनाडा ने बीते हफ्ते इस आरोप की जांच शुरू कर दी कि 2021 में वहां हुए आम चुनाव के नतीजों को भारत ने प्रभावित करने की कोशिश की थी। कनाडा की जस्टिन ट्रुडो सरकार ने इस मामले में एक विशेष जांच आयोग बनाया है। अब इस आयोग ने कनाडा सरकार से चुनावों में भारत के संभावित हस्तक्षेप के बारे में जानकारी मांगी है। आयोग का गठन ट्रूडो ने सितंबर 2023 में किया था। गौरतलब है कि उसी महीने ट्रुडो ने भारत पर कनाडा की जमीन पर कनाडाई नागरिक- खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का इल्जाम लगाया था। भारत ने लगातार उस आरोप का खंडन किया है। जहां तक चुनाव में हस्तक्षेप का मुद्दा है, तो पहले ट्रुडो सरकार ने चीन पर इस सिलसिले में आरोप लगाए, जिसका चीन ने लगातार खंडन किया है। लेकिन आयोग जांच को आगे बढ़ा रहा है। कनाडाई प्रांत क्यूबेक की जज मारी-जोसी होग आयोग की अध्यक्ष हैं। उन्हें जिम्मेदारी दी गई थी कि वे चुनाव में चीन, रूस और अन्य देशों के संभावित हस्तक्षेप की जांच करें। अब इस सूची में भारत का नाम भी शामिल कर दिया गया है। आयोग को अगले तीन मई तक अंतरिम रिपोर्ट और साल के अंत तक अंतिम रिपोर्ट देने को कहा गया है। भारत सरकार ने अभी इस बारे में अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन चूंकि निज्जर मामले में यह सामने आया था कि उस मुद्दे पर अमेरिका और उसके कुछ दूसरे साथी देशों का समर्थन कनाडा के साथ है, इसलिए इस मामले से भी भारत के सामने एक अंतरराष्ट्रीय चुनौती खड़ी होने की आशंका है। दरअसल, निज्जर का मामला तब तक उतना गंभीर मालूम नहीं पड़ता था, जब तक अमेरिका ने एक भारतीय अधिकारी पर उसकी जमीन पर खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप नहीं लगा दिया।

विचार

एनडीए में सीट बंटवारा आसान नहीं होगा.....

बिहार में भाजपा और जदयू ने फिर सरकार बना ली और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बन गए लेकिन उसके बाद एनडीए के भीतर सीट बंटवारे का मामला उलझ गया। पहले 'इंडिया' के भीतर सीट बंटवारा उलझा हुआ था और अब एनडीए में उलझन शुरू हो गई। चिराग पासवान ने अभी इस बारे में कोई बात नहीं की है तो जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा और पशुपति पारस भी सीटों के आकलन में जुटे हैं। राज्य की 40 लोकसभा सीटें हैं और पिछली बार भाजपा, जदयू के साथ लोक जनशक्ति पार्टी थी। भाजपा और जदयू के बीच 17-17 सीटें बंटी थीं और लोजपा को छह सीट मिली थी। इस बार लोजपा दो खेमों में बंट गई है, जिनमें से एक का नेतृत्व चिराग पासवान कर रहे हैं तो दूसरे की कमान पशुपति पारस के हाथ में है। इनके अलावा पिछली बार महागठबंधन के साथ रहे उपेंद्र कुशवाहा भी एनडीए के साथ हैं और जीतन राम मांझी भी हैं। सो, इन दो नई पार्टियों को एडजस्ट करना होगा। सबसे पहले भाजपा और जदयू के बीच सीट बंटवारा फाइनल करना होगा। बताया जा रहा है कि पिछली बार की तरह इस बार जदयू को 17 सीटें नहीं मिलेंगी। लेकिन ऐसा भी नहीं होग कि नीतीश कुमार बहुत कम सीटों पर राजी हो जाएंगे। अगर कहा जा रहा है कि उनके कोटे की दो या तीन सीटें लेकर उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी को दी जाएंगी। यानी नीतीश जितनी सीट छोड़ेंगे उतनी ही सीट कुशवाहा और मांझी को मिलेगी। पहले की तरह लोक जनशक्ति पार्टी को छह सीटें दी जाएंगी। ये छह सीटें चाचा-भतीजा यानी पशुपति पारस और चिराग पासवान के बीच बंटेंगी। ध्यान रहे 2014 के लोकसभा चुनाव के समय भाजपा ने लोजपा को सात सीट दी थी, लेकिन 2019 में इसे छह किया गया और बदले में भाजपा ने एक राज्यसभा की सीट रामविलास पासवान को दी थी, जो उनके निधन के बाद भाजपा ने फिर वापस से ली थी। कहा जा रहा है कि इस बार राज्यसभा की एक सीट फिर से लोजपा को ऑफर की जा सकती है। इस तरह छह लोकसभा और एक राज्यसभा सीट के जरिए चिराग और पारस को एडजस्ट किया जाएगा।

सुरक्षा क्यों भंग हुई?

कुछ नौजवानों ने संसद की सुरक्षा को भंग करने की योजना बनाई। वे इसमें सफल भी हो गए। यह देश की कानून-व्यवस्था मशीनरी पर एक प्रतिकूल टिप्पणी है कि इतनी आसानी से सबसे बड़े स्थलों और सबसे बड़े मौकों पर सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लग जाती है। संसद की सुरक्षा-व्यवस्था संसद पर 22 साल पहले हुए भीषण हमले की बरसी के दिन भंग हुई। यह बात आसानी से गले नहीं उतरती कि सुरक्षा में ऐसी लापरवाही कैसे हो सकती है। खासकर यह देखते हुए कि खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नूं ने धमकी दे रखी थी कि 13 दिसंबर या उससे पहले फिर संसद को निशाना बनाया जाएगा। अब तक जितनी जानकारियां सामने हैं, उनसे ऐसा कोई संकेत नहीं मिलता कि जिन लोगों ने संसद में घुसपैठ की, उनका पन्नूं या किसी अन्य राजनीतिक संगठन से संबंध है। पुलिस के हवाले से मीडिया में आई सूचनाओं के मुताबिक संसद की सुरक्षा-व्यवस्था भंग करने में शामिल सभी छह लोग देश के अलग-अलग हिस्सों के हैं। उनमें समान पहलू सिर्फ यह है कि वे पढ़े-लिखे हैं जिन्हें अपनी योग्यता के अनुरूप काम नहीं मिला, वे बेरोजगारी से परेशान रहे, और सभी शहीद भगत सिंह के प्रशंसक हैं। वे सभी सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में आए और देश के मौजूदा हालात से अपने असंतोष को जताने के लिए उन्होंने संसद की सुरक्षा को भंग करने की योजना बनाई। वे इसमें सफल भी हो गए। यह देश की कानून-व्यवस्था मशीनरी पर एक प्रतिकूल टिप्पणी है कि इतनी आसानी से सबसे बड़े स्थलों और सबसे बड़े मौकों पर सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लग जाती है। अभी एक महीना नहीं गुजरा, जब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मैच के दौरान एक ऑस्ट्रेलियाई नौजवान फिलस्तीन की आजादी के समर्थन में संदेश देने के लिए तमाम सुरक्षा-व्यवस्था को धता बताते हुए मैदान में घुस गया। ऐसा उस रोज हुआ, जिस दिन खुद प्रधानमंत्री मोदी वहां पहुंचने वाले थे। बहरहाल, संसद पर हुई घटना के साथ एक दूसरा पहलू भी जुड़ा है। इसका संबंध सामाजिक और आर्थिक सुरक्षाओं से है। ये घटना विकसित भारत के तमाम शोर के बीच जमीनी स्तर पर रोजमर्रा की बढ़ती मुश्किलों की ओर ध्यान खींचती है। ये मुश्किलें अब कई लोगों- खासकर नौजवानों में असंतोष पैदा कर रही हैं। यह साफ है कि इस हकीकत का सही नजरिए से सामना किए बगैर बाकी सुरक्षाओं को सुनिश्चित करना कठिन हो जाएगा।

ममता के 'एकला चलो' राग का इशारा

प्रभाकर मणि त्रिपाठी

पश्चिम बंगाल में विपक्षी महागठबंधन के रथ के पहिये फंसते दिखने लगे हैं। राज्य में गठबंधन के तीनों सहयोगियों- तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और वाम मोर्चा के बीच महीनों चले विवाद और आरोप-प्रत्यारोप के बाद आखिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में अकेले चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। विपक्षियों के बीच अगर सुलह की स्थिति नहीं बनी, तो भाजपा के रथ के आगे निकलने की संभावना बढ़ जाएगी। विपक्षी दलों की सिर फुट्व्वल का फायदा भाजपा को मिलेगा ही, मंदिर मुद्दे पर ध्रुवीकरण से भी उसे मदद मिलेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ न्याय यात्रा' के पश्चिम बंगाल में प्रवेश से ठीक पहले ममता बनर्जी के इस एलान से विपक्षी गठबंधन की कोशिशों को करारा झटका लगा है। कांग्रेस और वाम मोर्चा के नेता ममता पर भाजपा के साथ गोपनीय तालमेल के आरोप लगाते रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि ममता भी इन दोनों पर यही आरोप लगाती रही हैं। एक दिन पहले ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता को मौकापरस्त बताते हुए याद दिलाया था कि वह कांग्रेस की मदद से ही पहली बार सत्ता में पहुंची थीं। यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि तृणमूल कांग्रेस ने वर्ष 2011 का वह चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा था, पर उसके बाद कांग्रेस हर चुनाव वाम के साथ मिलकर लड़ती रही है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल ने 22 और भाजपा ने 18 सीटें जीती थीं। बाकी दो सीटें कांग्रेस की झोली में गईं। बीते महीने ऐसी अपुष्ट खबरें सामने आई थीं कि ममता कांग्रेस को पिछली बार जीती उसकी दोनों सीटें, यानी बहरमपुर और मालदा दक्षिण ही देने के लिए तैयार हैं। उसके बाद से ही दोनों दलों के बीच तनातनी चल रही थी। ममता ने राज्य में सीटों के बंटवारे के लिए 31 दिसंबर की समय-सीमा तय की थी, लेकिन वह काफी पहले खत्म हो चुकी है। ममता ने हाल में पार्टी की एक आंतरिक बैठक में कहा था कि कांग्रेस और वाम के कथित अड़ियल रवैये के कारण अगर उनको सीटों के बंटवारे में अहमियत नहीं मिली, तो पार्टी अकेले अपने बूते सभी 42 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। इसके बाद कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने एलान किया था कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ तालमेल के बजाय अकेले लड़ेगी। उसके बाद ही ममता बनर्जी ने रवींद्रनाथ टैगोर की कविता एकला चलो की तर्ज पर अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। हालांकि, राजनीति में दोस्ती या दुश्मनी कुछ भी स्थायी नहीं होती, इसलिए ममता बनर्जी के एलान के बावजूद कांग्रेस के साथ सीटों पर समझौता हो सकता है। ममता की इस घोषणा से कांग्रेस चिंतित है। राहुल गांधी की यात्रा आज असम से बंगाल में प्रवेश करेगी। यात्रा जिस उत्तर बंगाल इलाके से होकर गुजरेगी, वहां भाजपा की जमीन मजबूत है। चाय बागान से घिरे इस इलाके में आदिवासी और स्थानीय जनजातियां ही निर्णायक हैं। राहुल करीब 14 साल बाद इलाके में पहुंचेंगे। इससे प्रदेश कांग्रेस को अपनी खोई जमीन वापस पाने की उम्मीद है। यह भी एक वजह है कि प्रदेश नेतृत्व ममता को आंखें दिखा रहा था। इसके विपरीत, राहुल गांधी ने गुवाहाटी में कहा कि उन्होंने ममता बनर्जी और नीतीश कुमार को यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया है। इतना ही नहीं, राहुल गांधी ने ममता को अपना करीबी बताते हुए कहा था कि प्रदेश के नेताओं की टिप्पणी कोई खास मायने नहीं रखती। हालांकि, ममता बनर्जी ने तल्खी के साथ यह कह दिया है कि राहुल की यात्रा के बारे में उन्हें अंधेरे में रखा गया, यानी इसकी पूरी जानकारी नहीं दी गई। लगे हाथ उन्होंने यह भी साफकर दिया कि वह या पार्टी का कोई प्रतिनिधि यात्रा में शामिल नहीं होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बंगाल में गठबंधन की राह हमेशा सर्पीली और उलझन भरी रही है। ममता यहां सबसे बड़ी और सत्तारूढ़ पार्टी होने के कारण सब कुछ अपनी शर्तों पर तय करना चाहती हैं। अयोध्या और राम मंदिर के प्रभाव की भी ममता को ज्यादा चिंता नहीं है, क्योंकि पश्चिम बंगाल शुरू से ही दूसरे राज्यों के मुकाबले काफी हद तक धर्मनिरपेक्ष रहा है। वर्ष 1992 में भी विवादित ढांचा ढहाए जाने के बाद यहां देश के दूसरे हिस्सों के मुकाबले कम हिंसा हुई थी। इस तथ्य के बावजूद कि यहां मुसलमानों की आबादी करीब 30 फीसदी है। पहले यह वाम मोर्चा का वोट बैंक था और उसके बाद तृणमूल के पाले में आ गया। राज्य में धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण का सिलसिला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में शुरू हुआ, जिसका फायदा भाजपा को मिला और वह दो से बढ़कर 18 सीट तक पहुंच गई। इसमें एक अहम भूमिका उन मतदाताओं की भी थी, जो कांग्रेस और वाम मोर्चा की ओर से भगवा पार्टी की ओर खिसक गए थे। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में भी बड़े पैमाने पर ध्रुवीकरण की कोशिश हुई, पर भाजपा अबकी बार 'दो सौ पार' के नारे से काफी दूर रह गई। ध्यान रहे, अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के दिन देश के दूसरे हिस्सों की तरह बंगाल में भी खासकर हिंदीभाषी इलाकों में काफी उत्साह देखने को मिला। तमाम जगह पोस्टर, बैनर और झंडे लगे थे और मंच बनाकर कहीं राम कथा आयोजित की गई, तो कहीं भजन-कीर्तन चल रहा था, पर बांग्लाभाषियों का बहुसंख्यक तबका इससे दूर ही रहा। बावजूद इसके भाजपा को उम्मीद है कि लोकसभा चुनाव में यह लहर उसके काम आएगी । और वह राज्य में अपनी सीटों की तादाद बढ़ाने में कामयाब रहेगी। भाजपा के एक नेता दावा करते हैं कि राज्य में मंदिर मुद्दे पर आम लोगों में पैदा हुए उत्साह का असर चुनाव पर जरूर पड़ेगा और हम पहले के मुकाबले ज्यादा सीटें जीतेंगे।

देश में कुल कितने लोग हैं खुशहाल... ?

सत्येन्द्र रंजन

अमेरिकी इन्वेस्टमैंक गोल्डमैन शैक्स ने भारतीय बाजार के बारे में एक नई रिपोर्ट पेश की है। उसके मुताबिक भारत में महंगी वस्तुओं (यानी प्रीमियम गुड्स) का बाजार अब छह करोड़ लोगों का हो चुका है है। गोल्डमैन शैक्स ने अनुमान लगाया है कि 2027 तक भारतीय बाजार दस करोड़ लोगों का हो जाएगा। इस इन्वेस्टमेंट बैंक ने प्रीमियम गुड्स के बाजार में उन लोगों को शामिल किया है, जिनकी सालाना आमदनी दस हजार डॉलर (यानी लगभग साढ़े आठ लाख रुपये) से ज्यादा है। ज.भारत में 70 हजार रुपये से अधिक आय वर्ग में आने वाले लोगों की संख्या सिर्फ छह करोड़ है। उससे नीचे की सारी आबादी इस आय से कम पर गुजारा कर रही है। चालू वित्त वर्ष में भारत सरकार ने प्रत्यक्ष करों से 17.2 लाख करोड़ रुपये की आमदनी का अनुमान लगाया था। सरकार की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक दिसंबर की समाप्ति तक सरकार 14.7 लाख करोड़ की रकम इस माध्यम से वसूल चुकी थी। यानी 2023-24 के लिए तय लक्ष्य का 81 प्रतिशत हासिल कर लिया गया था। चूंकि हमेशा ही आखिरी तीन महीनों में सबसे ज्यादा कर्ज उगाही होती है, इसलिए सरकार का यह अनुमान दुरुस्त है कि इस वित्त वर्ष में उसे लक्ष्य से भी ज्यादा प्रत्यक्ष कर प्राप्त हो सकते हैं। किसी अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष करों से अधिक राजस्व जुटाने को एक स्वस्थ नीति माना जाता है। प्रत्यक्ष कर समृद्ध तबकों से आता है, जबकि परोक्ष कर का सभी तबकों पर- चाहे वे धनी हों या गरीब समान बोझ पड़ता है। दरअसल, अगर माली हालत को पैमाना बना कर समझें, तो गरीब तबकों को अपनी कमजोर स्थिति के कारण यह बोझ ज्यादा महसूस होता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), उत्पाद शुल्क, विभिन्न प्रकार के उप कर (सेस) आदि के जरिए परोक्ष करों का भारी बोझ लोगों पर डाला है।

इसका परिणाम यह हुआ कि एक समय परोक्ष करों से होने वाली आमदनी प्रत्यक्ष करों की तुलना में ज्यादा हो गई। लेकिन अब एक बार फिर प्रत्यक्ष करों से अधिक आमदनी की स्थिति बन गई है। ये दीगर बात है कि परोक्ष करों में कोई कमी नहीं हुई है। यानी आम जन पर टैक्स की भारी मार अब भी पड़ रही है। लेकिन इस बीच अर्थव्यवस्था के स्वरूप को इस तरह ढाला गया है, जिससे प्रत्यक्ष करों से आमदनी में भारी इजाफा हुआ है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि सरकार के ज्यादा से ज्यादा संसाधनों को कुछ हाथों में सौंपने की नीति काफी आगे बढ़ चुकी है। आबादी की निम्न श्रेणियों से ऊपरी श्रेणियों की तरफ धन ट्रांसफर करने की इस नीति के तहत ऊपरी टॉप पांच से दस प्रतिशत लोगों की आमदनी एवं धन में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। कॉरपोरेट सेक्टर में मोनोपॉली को प्रोत्साहित करने की नीति सरकार ने अपना रखी है, जिससे कुछ कंपनियों की आय में भारी इजाफा हुआ है। नतीजा है कि ऐसे व्यक्ति और कंपनियां अधिक इनकम टैक्स एवं कॉरपोरेट टैक्स दे रहे हैं। इसके अलावा अर्थव्यवस्था का अधिक से अधिक वित्तीयकरण करने की राह पर भी सरकार चली है। इस तरह शेयर, ऋण, बॉन्ड बाजार में निवेश को बढ़ावा दिया गया है। इससे लाखों की संख्या में नए लोगों ने शेयर खरीद-बिक्री के कारोबार में कदम रखा है। बहुत से ऐसे लोग जो प्रत्यक्ष रूप से इस कारोबार में नहीं हैं, उन्होंने म्युचुअल फंड्स के जरिए शेयर बाजार में पैसा लगाया है। इन कारणों से शेयर मार्केट तेजी से चढ़ा है। इसका लाभ इस बाजार से जुड़े तमाम लोगों को मिला है। चूंकि ऐसी हर आमदनी पर लोगों को टैक्स देना होता है, अत: इसका फायदा सरकार को भी मिल रहा है। अल्पकालिक पूंजीगत निवेश कर और लाभांश कर से अब सरकार को काफी राजस्व प्राप्त हो रहा है। अर्थव्यवस्था के यह रूप लेने का परिणाम है कि भारत के प्रीमियम बाजार में विस्तार हुआ है। इससे पश्चिमी कंपनियों और निवेशकों के लिए भारत एक आकर्षक जगह बना है। गौरतलब है कि कंपनियां और इन्वेस्टमेंट बैंक किसी अर्थव्यवस्था के आकार का आकलन वहां मौजूद उपभोक्ता वर्ग की आमदनी और क्रय शक्ति के आधार पर करती हैं। इसलिए बोलचाल में भले भारत को एक अरब 40 करोड़ लोगों का बाजार कहा जाता हो, लेकिन असल में किसी कंपनी की निगाह में बाजार से मतलब उन लोगों से होता है, जो उसके उत्पाद खरीद सकने की क्षमता रखते हों। अब अमेरिकी इन्वेस्टमैंक गोल्डमैन शैक्स ने भारतीय बाजार के बारे में एक नई रिपोर्ट पेश की है। उसके मुताबिक भारत में महंगी वस्तुओं (यानी प्रीमियम गुड्स) का बाजार अब छह करोड़ लोगों का हो चुका है है। गोल्डमैन शैक्स ने अनुमान लगाया है कि 2027 तक भारतीय बाजार दस करोड़ लोगों का हो जाएगा। इस इन्वेस्टमेंट बैंक ने प्रीमियम गुड्स के बाजार में उन लोगों को शामिल किया है, जिनकी सालाना आमदनी दस हजार डॉलर (यानी लगभग साढ़े आठ लाख रुपये) से ज्यादा है। बैंक का अनुमान है कि 2015 में इस आय वर्ग में दो करोड़ 40 लाख लोग थे। पिछले नौ वर्षों में इन तबके की संख्या दो गुना से भी ज्यादा बढ़ी है। इसका फायदा जेवरात और महंगी कारों के उद्योग के साथ-साथ सेवा क्षेत्र में पर्यटन, रेस्तरां, होटल, और हेल्थकेयर के कारोबार को भी मिला है। चूंकि आने वाले तीन वर्षों में इस आय वर्ग के लोगों की संख्या में और वृद्धि का अनुमान है, इसलिए ऐसे कारोबार से जुड़ी कंपनियों के लिए भारतीय बाजार का आकर्षण बढ़ना स्वाभाविक है। और इन वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री पर जीएसटी लगता है, तो इस परोक्ष कर से सरकार की अधिक आमदनी भी लाजिमी है। गोल्डमैन शैक्स ने कहा है-पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में वित्तीय एवं ठोस संपत्तियों में महत्त्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है, जिसके परिणामस्वरूप धन में वृद्धि हो रही है। हालांकि सोना और जायदाद में धन के निवेश की प्रवृत्ति बनी हुई है, लेकिन पिछले पांच वर्षों में एक बड़ा बदलाव यह देखा गया है कि लोग सीधे शेयर खरीदने या फिर म्युचुअल फंड्स के जरिए शेयर बाजार में अधिक पैसा लगा रहे हैं।लेकिन इसी रिपोर्ट में आमदनी की सर्वोच्च और मध्य श्रेणियों में शामिल लोगों के बीच खर्च क्षमता बढ़ने की हकीकत का भी जिक्र है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, गुरुवार 01 फरवरी 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पुष्पगिरी तीर्थ पर भव्य पंचकल्याणक महोत्सव सम्पन्न

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी महाराज की प्रेरणा से नव निर्मित मनोहारी भव्य जिनालय में अतिशयकारी भूगर्भ से

प्राप्त भगवान आदिनाथ स्वामी की प्रतिमा जी विराजमान हुई। सम्पूर्ण महोत्सव गणाचार्य पुष्पदंत सागर जी एवं आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ विशालतम जिनालय में कुंथुनाथ भगवान की मूर्ति भारतवर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी मध्यांचल के महामंत्री डॉ. संजय जैन, इंदौर परिवार को विराजमान करने का सोभाग्य प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर मध्यांचल के अध्यक्ष डी. के.जैन, कोषाध्यक्ष प्रमोद पापडीवाल, सुरेंद्र बाकलीवाल, जेनेश झांझरी, सुदीप जैन, अजय जैन एवं संचालक मंडल के सदस्य उपस्थित थे। **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

अब टीएल बैठक से नहीं बच सकेंगे जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी, अनुपस्थित रहने वाले की अगले दिन होगी समीक्षा बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर द्वारा प्रत्येक सोमवार को ली जाने वाली टीएल बैठक में अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होना पड़ेगा। यदि वे किसी कारण से अनुपस्थित रहते हैं, तो अधीनस्थ को प्रतिनिधि बनाकर नहीं भेजेंगे, बल्कि उनकी बैठक अगले दिन मंगलवार को कलेक्टर के साथ होगी। इस आशय का पत्र जारी किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर ने सभी विभागों को पत्र लिखकर निर्देश किया है कि समय-सीमा की बैठक में कुछ विभागों के जिला प्रमुख अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण उनके विभागीय गतिविधियों की समीक्षा नहीं हो पाती है। अतएव निर्देशित किया जाता है कि समस्त जिला प्रमुख अधिकारी अपने प्रतिनिधि न भेजते हुए स्वत: समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें। यदि किसी कारणवश समय-सीमा की बैठक में जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित न हो सकें, तो उनकी बैठक अगले दिन प्रात: 10 बजे आयोजित होगी।

मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार पहुंचेंगे कोरिया विष्णुदेव साय झुमका जल महोत्सव में होंगे शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री विष्णु देव साय मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार कोरिया पहुंचेंगे। कोरिया जिले में जिला प्रशासन

मुख्यमंत्री करेंगे 74 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

द्वारा 01 व 02 फरवरी को झुमका जल महोत्सव का आयोजन किया गया है। श्री विष्णु देव साय इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय इस अवसर पर लगभग 74 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। इनमें लगभग 58 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और 16 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। झुमका जल महोत्सव में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास और धर्मस्व मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत, बैकुंठपुर विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े, भरतपुर-सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इसी प्रकार झुमका जल महोत्सव में जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया श्रीमती रेणुका सिंह, जनपद अध्यक्ष बैकुंठपुर श्रीमती सौभाग्यवती सिंह, जनपद अध्यक्ष सोनहत श्रीमती लक्ष्मी सिंह, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष बैकुंठपुर श्रीमती नविता शिवहरे, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शिवपुर-चरचा श्रीमती लालमुनि यादव, ग्राम पंचायत ओड़गी की सरपंच श्रीमती बाबी अगरिया भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। झुमका जल महोत्सव का समापन 2 फरवरी को पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास और धर्मस्व मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में होगा।

"सुनहरा सफर 140 वर्ष का"

मील का पत्थर छू कर सदा नया इतिहास बनाया है डाक जीवन बीमा की 140वी वर्षगांठ उत्सव आया है, आओ हम सब मिलकर 140वी वर्षगांठ यूं मनाए हर जन जन में नई अलख जगाए, डाक जीवन बीमा को नए शिखर, नए आयाम तक पहुंचाए, आओ मिलकर सुनहरा सफर 140 वर्ष का मनाएं डाक जीवन बीमा की 140वी वर्षगांठ का उत्सव मनाए डाक जीवन बीमा दिवस मनाए। डाक जीवन बीमा दिवस 1 फरवरी को, कुछ इस कदर मनाना है, हर घर घर तक इसकी महता को बताना है, इसकी महता को बताना है, सदियों से अटूट विश्वास है हमारा, यही बताना है, यही दिखाना है, जन जन का डाक जीवन बीमे से जीवन सुरक्षित बनाए, आओ मिलकर डाक जीवन बीमा की 140वी वर्षगांठ मनाए डाक जीवन बीमा दिवस मनाए, डाक जीवन बीमा दिवस मनाए।। जीवन में हर कोई चाहता कुछ खास, कुछ नया उनसे कहो उन्हें समझाओ, डाक जीवन बीमा अपनाकर जीवन की नई शुरूआत करो, अपना, अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित बनाए आओ मिलकर डाक जीवन बीमा की 140वी वर्षगांठ मनाए डाक जीवन बीमा दिवस मनाए, डाक जीवन बीमा दिवस मनाए।। अब तो डाक जीवन बीमा का स्नातक स्तर तक विस्तार हुआ ये बात सबको समझाए, सबको बताए, आओ मिलकर डाक जीवन बीमा की 140वी वर्षगांठ मनाए डाक जीवन बीमा दिवस मनाए, डाक जीवन बीमा दिवस मनाए। कम प्रीमियम पर, ज्यादा बोनस, इससे बेहतर कुछ नहीं, गांव, गांव, घर घर ढाणी ढाणी तक डाक जीवन बीमा की महिमा का गुणगान करे, एक मशाल जलाए, डाक जीवन बीमा का प्रकाश फैलाए, आओ सब मिलकर डाक जीवन बीमा की 140वी वर्षगांठ मनाए डाक जीवन बीमा दिवस मनाए, डाक जीवन बीमा दिवस मनाए।।

■ **-के.के शर्मा, डीओ पीएलआई, रायपुर**

हमारे जवान नक्सली चुनौती का बहादुरी के साथ कर रहे हैं मुकाबला : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने गमगीन माहौल में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की

मुख्यमंत्री ने साहस और जज्बें की सराहना कर बढ़ाया जवानों का मनोबल

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज बस्तर जिले के करनपुर स्थित 201 कोबरा सीआरपीएफ कैंप पहुंचकर वहां टेकलगुड़ेम गांव में (थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा) नक्सल मुठभेड़ में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने 201 कोबरा बटालियन के जवानों से मुलाकात कर उनके साहस और जज्बों की सराहना करते हुए जवानों का मनोबल बढ़ाया।

बेहद गमगीन माहौल में टेकलगुड़ेम गांव में नक्सली मुठभेड़ में शहीद जवानों स्वर्गीय श्री देवेन सी., स्वर्गीय श्री पवन कुमार और स्वर्गीय श्री लम्बाधर सिंघा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, चित्रकोट के विधायक श्री विनायक गोयल, बस्तर के विधायक श्री लखेश्वर बघेल, जगदलपुर की महापौर सफीरा साहू, पूर्व विधायक संतोष बाफना, डीजीपी श्री अशोक जुनेजा, एडीजी नक्सल ऑपरेशन श्री विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर श्री श्याम धावड़े, आईजी श्री सुन्दरराज पी. सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उनके पार्थिव शरीर उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किए गए। इनमें 201 कोबरा सीआरपीएफ बटालियन के शहीद जवान श्री देवेन सी. का पार्थिव शरीर ग्राम मोटूर जिला वेल्लूर तमिलनाडू, शहीद श्री पवन कुमार का पार्थिव शरीर ग्राम कुपावली जिला भिंड़ मध्यप्रदेश और 150 वीं बटालियन के शहीद जवान श्री लम्बाधर सिंघा ग्राम काकरागांव जिला चिंटांग असम के लिए रवाना किया गया।

मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि फोर्स के लगातार आगे बढ़ते जाने और पहुंचविहीन इलाकों में भी कैम्प लगाने से माओवादी आतंकी बौखला गए हैं। हम हर स्थिति में अपने जवानों के साथ मजबूती से खड़े हैं। सुरक्षा बल के जवान सर्चिंग पर निकले थे। माओवादी आतंकियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। हमारे जवानों ने उनके इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के विरूद्ध लड़ाई तेज हुई है। माओवादी आतंक से आम नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने, लोगों तक योजनाओं के लाभ पहुंचाने के लिए सुरक्षा बलों के जवान प्रभावी कार्यवाही कर रहे हैं। हमारे जवान नक्सली चुनौती का बहादुरी के साथ मुकाबला कर रहे हैं।

असाध्य रोगों पर भक्तामर गाथा के उच्चारण से चमत्कारी लाभ, अहमदाबाद के निकुंज गुरुजी का शिविर

रायपुर (विश्व परिवार)। संस्था देर ना हो जाए द्वारा कैंसर समेत असाध्य रोगों से बचाव के लिए भक्तामर हीलिंग शिविर का आयोजन वृंदावन हॉल, सिविल लाईन में किया गया। अहमदाबाद से पधारे निकुंज गुरूजी ने असाध्य रोगों पर भक्तामर हीलिंग द्वारा कैसे छुटकारा पाया जाए, विषय पर विस्तृत जानकारी दी। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध कैंसर चिकित्सक डॉ. युसूफ मेमन, मेडिकल कॉलेज में कैंसर विभाग प्रमुख डॉ. मंजू सिंह, मेकाहारा के वरिष्ठ कैंसर चिकित्सक डॉ. राजीव रतन जैन मौजूद रहे। प्रारंभ में संस्था अध्यक्ष श्रीमती शीलू लुनिया, संयोजक मुकेश शाह व रानू लुनिया ने संस्था की जानकारी व स्वागत भाषण देकर अतिथियों का स्वागत किया।

शिविर के मुख्य वक्ता निकुंज गुरुजी ने बताया कि भक्तामर की 48 गाथा में सारी समस्याओं का समाधान है, बस जरूरत है एकाग्र चित होकर एक आसन में नियमित जाप करने की। उन्होंने कहा कि प्रभु महावीर हो या अरिहंत प्रभु सभी हमारी तरह ही थे पर उन्होंने कठोर तप जप के द्वारा अपनी शक्तियों को जागृत किया और लोकहित मे कार्य किया। हम सबके भीतर परमात्मा विराजमान है जरूरत है उसे पहचानने की। उन्होंने कहा कि रोज सुबह सबसे पहले परमात्मा को धन्यवाद दें और खुद के लिए कहें कि मै बहुत भाग्यशाली हूं, मै पूर्ण स्वस्थ हूं। जब यह बात पूर्ण रूप से इस यूनिवर्स मे गूंज उठेगी तो हम खुद को स्वस्थ महसूस करने लगेंगे और स्वस्थ हो जाएंगे।साथ ही उन्होने कुछ मंत्र शक्तियों का आह्वान कर सभी के भीतर ऊर्जा का संचार कर दिया। छोटे छोटे कुछ आसन भी बताए जिसे हमें रोज करना चाहिए, ध्यान का जीवन में महत्व भी समझाया और बताया कि ध्यान के द्वारा ही हम अपने मन के भीतर प्रवेश कर सकते हैं और पूर्ण स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अवसाद से बचने की सबसे अचूक दवा है माफ करना सीखो। किसी के प्रति बैर भाव को बढ़ावा देने से अच्छा है माफ करना और आगे बढ़ना। रोज भोजन ग्रहण करने के पहले अपने गुरु, माता -पिता, परमेश्वर और स्वयं को धन्यवाद कहें। दिन में कम से कम दस मिनट का मौन अवश्य रखें। शिविर में निकुंज गुरुजी से भक्तामर की दीक्षा ले रही रायपुर की मासूम लुनिया ने भी शरीर को रोगमुक्त करने और हीलिंग से संबंधित बातें बताई। कार्यक्रम में तृप्ति लुनिया आदि शामिल थे। अंत में रायपुर के विभिन्न अस्पतालों में कैंसर विभाग में अपनी सेवाएं दे रहीं 20 नर्सों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सीमा दुग्गड़ (नागपुर) व आभार प्रदर्शन संस्था के संयोजक रानू लुनिया ने किया।

मुनि श्री संधान सागर जी महाराज ने बताया- अवधारणा को कैसे बदलें?

कन्नड़ (विश्व परिवार)। संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के चरम प्रभावक शिष्य युवा तरुणाई के प्रवर वक्ता मुनि श्री 108 संधान सागर जी महाराज ने कहा कि मिथ्यात्व का संबंध मात्र पूजा - उपासना से ही नहीं भीतरी अवधारणा से है। उपासना का परिवर्तन तो बाहरी है पर भीतर का परिवर्तन ही वास्तविक परिवर्तन है। पूज्य श्री ने आज उसी भीतरी अवधारणा को बदलने पर जोर दिया। मुनि श्री जी ने कहा अपनी दृष्टि को चलता दो तामस समता हो जायगा। आज तक संसार में घूमता रहा इसका कारण मन का तामस पना के मन में राग - द्वेष का होना। उस राग - द्वेष का आधार क्या है तो संत कहते है मोह के कारण राग - द्वेष होता है। उस मोह को जीतना चाहते हो तो समता ले आओ। समता आते ही राग - द्वेष खत्म राग द्वेष खत्म होते ही कर्म बंध नहीं होगा। कम बंध नही होगा तो अनंत संसार सीमित हो जायेगा। पूज्य मुनिवर ने कहा कि अनंतजित यही कह रहे हैं कि अनंत को कैसे सीमीत कर सकते है। चार शब्द है - आस्था आश्वासन , आचरण एवं अनुभूति। जब तक सराग अवस्था है तब तक आस्था व आचरण में भिन्नता है , वितराग व्यवस्था में आते ही आस्था एवं आचरण में एक रूपता आ जायेगी। पूज्य मुनिवर ने - अंत में कहा - कुरल काव्य का प्रत्येक वाक्य कोटेशन है उसमें कहा- यह सबसे बडी मुर्खता है जो अनित्य को नित्य एवं स्थिर समझ बैठना है। **-विद्यावाणी संकलन**

भ. शांतिनाथ की शांतिधारा की अद्भुत महिमा : सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ

गुन्सी (विश्व परिवार)। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज) की पुण्य धरा पर विश्व शांतिदायक अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की मनोज्ञ प्रतिमा सभी भक्तों के लिए आस्था का केन्द्र बन चुकी है। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संसंघ के द्वारा चल रही निरंतर श्री जिनसहस्त्रनाम की आराधना से इस क्षेत्र पर पवित्र ऊर्जा का संचार सभी जीवों के लिए कल्याण का कारण है

एक सच्ची घटना- गुरूभक्त धर्मचंद जैन टोंक वालों का बेटा बार-बार परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने से नाराज माताजी के चरणों में अपनी समस्या लेके पहुँचा। माताजी ने उसे आशीर्वाद देते हुए कहां कि - श्रद्धा-भक्ति के साथ भगवान शांतिनाथ जी की शांतिधारा करके ही परीक्षा देने जाना। उसने गुरु आज्ञा को शिरोधार्य किया उसका परिणाम यह निकला की वह अधिक अंकों से उत्तीर्ण होकर अच्छी नौकरी कर रहा है। यह चमत्कार भ. शांतिनाथ जी की शांतिधारा एवं माताजी के आशीर्वाद में ही छुपा हुआ है।

विज्ञातीर्थ क्षेत्र के चैत्यालय में विराजमान श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा की महिमा अचिन्त्य है। किसी की कैसी भी समस्या क्यों न हो भगवान की शांतिधारा से सब शांत हो ही जाती है।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया

घटती रोग प्रतिरोधक क्षमता और बढ़ते प्रदूषण से फंगल इंफेक्शन, एम्स में माइक्रोबायोलॉजी की दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित कार्यशाला क्लिनिको माइकोलॉजिकल अपडेट- अनकवरिंग द अननॉन के दूसरे दिन देश के प्रमुख माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने नागरिकों में घटती रोग प्रतिरोधक क्षमता और बढ़ते प्रदूषण के कारण फंगल इंफेक्शन को चुनौतीपूर्ण बताया। विशेषज्ञों का कहना था कि फंगल इंफेक्शन के निरंतर परिवर्तित होने के कारण प्रभावी ड्रग मॉलीक्यूल्स पर शोध और डिसइंफेक्शन की नई विधियों को अपनाने की आवश्यकता है।

एम्स के माइक्रोबायोलॉजी विभाग और छत्तीसगढ़ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि और देश के प्रमुख क्लिनिकल माइकोलॉजिस्ट प्रो. (डॉ.) अरुणालोकी चक्रबर्ती, पूर्व माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष, पीजीआई चंडीगढ़ ने इंडियाज फंगल एपिडेमिक -ए कॉल फॉर विजिलेंस विषय पर भारत में बढ़ते फंगल इंफेक्शन के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उनका कहना था कि कैंडीडा ओरिस जैसे फंगल देश के मेट्रो शहरों में तेजी से फैल रहे हैं। इसका प्रमुख कारण लोगों में घटती रोग प्रतिरोधक क्षमता और बढ़ता प्रदूषण है। इससे वातावरण में नमी, दूषित जल और अस्वच्छता के कारण फंगल इंफेक्शन निरंतर फैल रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद आईसीयू में रहने वाले रोगियों को भी फंगल इंफेक्शन की चुनौती का सामना करना पड़ा। फंगस के कॉलोनाइजेशन, क्रास कंटामिनेशन, फ्लोकोनाजोल केटोकोनाजोल के प्रति दवाइयों के प्रभावी न होने की वजह से नए मॉलीक्यूल्स पर शोध और इंफेक्शन को नियंत्रित करने की नई विधियों को अपनाने की आवश्यकता है। डॉ. शिवप्रकाश रुद्रमूर्ति, पीजीआई चंडीगढ़ ने अपडेट्स इन मैनेजमेंट ऑफ फंगल इंफेक्शन पर व्याख्यान में फंगल इंफेक्शन, माइकोसिस और फंगल केराटाइटिस (आंख का संक्रमण) को चिन्हित करने में बायोमार्कर्स के अनुप्रयोग पर जोर दिया।

राज्य में 142.23 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी, किसानों को 29 हजार 318 करोड़ रुपए का भुगतान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के तहत एक नवंबर 2023 से धान खरीदी का अभियान निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसानों की हित में बड़ा फैसला लेते हुए अब राज्य में 4 फरवरी तक समर्थन मूल्य पर होगी धान खरीदी। शनिवार और रविवार को भी धान खरीदी किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों से 142.23 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। धान उपार्जन के एवज में किसानों को 29 हजार 318 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का भुगतान बैंक के माध्यम से किया गया है।

मार्कफेड के महाप्रबंधक से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में समर्थन मूल्य पर अब तक 24 लाख 51 हजार 28 किसानों से 31 जनवरी 2024 तक 142 लाख 23 हजार 702 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है।

अब तक 102 लाख 74 हजार 132 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 93 लाख 44 हजार 627 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है।

संस्कार भारती छत्तीसगढ़ द्वारा श्री रामचंद्र जी के जीवन प्रसंगों पर बनी चित्र प्रदर्शनी स्वदेशी मेला में बनी आकर्षण का केन्द्र

उपमुख्यमंत्री अरुण साव जी एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल जी ने किया अवलोकन

रायपुर (विश्व परिवार)। 500 से अधिक वर्षों के संघर्ष पश्चात अयोध्या के भव्य मंदिर में भगवान राम लला की स्थापना से आज संपूर्ण भारत राममय हो चुका है। इस अवसर पर संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में विभिन्न चित्रकारों ने भगवान श्री रामचंद्र जी के जीवन चरित्र को प्रदर्शित करती हुई चरित्रावली, साइंस कालेज मैदान में आयोजित स्वदेशी मेला में प्रदर्शित की। इसके पूर्व 22 जनवरी को श्री राम मंदिर रायपुर के प्रांगण में तथा 14 जनवरी को भिलाई के सिविक सेंटर में प्रदेश भर से आये कलाकारों ने कार्यशाला में भाग लेकर चित्रों को तैयार किया।

उक्त प्रदर्शनी का अवलोकन छत्तीसगढ़ राज्य के उपमुख्यमंत्री माननीय अरुण साव जी, संस्कृति मंत्री माननीय बृजमोहन अग्रवाल जी, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री माननीय श्री टंक राम वर्मा जी ने किया और कलाकारों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, प्रांतीय सह महामंत्री संस्कार भारती छत्तीसगढ़ ने अतिथियों को बताया कि यह प्रदर्शनी हमारे संस्कार भारती के रायपुर, भिलाई, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, खैरागढ आदि स्थानों से आये चित्रकारों द्वारा बनाये गये हैं। प्रदर्शनी तैयार करने में प्रसिद्ध चित्रकार भोजराज धनगर रायपुर और अंकुश देवांगन भिलाई की प्रमुख भूमिका रही। स्वदेशी मेला में संस्कार भारती छत्तीसगढ़ द्वारा लगाए चित्र कला प्रदर्शनी के आकर्षण का केंद्र बने हैं।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने पारागांव बुनकर सहकारी समिति, मानिकचौरी धान खरीदी केन्द्र का किया निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज शाम पारागांव के जयदुर्गा बुनकर सहकारी समिति का निरीक्षण किया और वहां के महिला सदस्यों से बातचीत की। कर्मकार भवन की मांग पर उन्होंने विभाग द्वारा प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। साथ ही डॉ. सिंह ने धान खरीदी केन्द्र मानिकचौरी का निरीक्षण किया और वहां जल्द धान के उठाव के निर्देश दिए।

डॉ. सिंह पारागांव के बुनकर समिति के महिला सदस्यों से रूबरू हुए और उनके कार्य की जानकारी ली। महिलाओं ने कलेक्टर को बताया कि उन्हें उत्पादकता बढाने हेतु मशीन की आवश्यकता है। इस पर कलेक्टर ने अधिकारियों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वहीं पर गांव में बांस की टोकरी बनाने बंसोड़ समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि उन्हें शासकीय दरों पर बांस लेने में कठिनाई हो रही है। डॉ. सिंह ने इस समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। कलेक्टर ने कहा कि दोनों समूहों के सदस्यों से कहा कि आपके हाथ में हुनर है आप इनका बेहतर तरीके से उपयोग कीजिए और वर्तमान बाजार के मांगों के अनुरूप उत्पाद बनाये। उन्होंने जनपद सीईओ को निर्देश दिया कि इन कारीगरों के एफपीओ बनाया जाये और उन्हें सीधे बाजार से जोड़े ताकि अपने उत्पाद का और बेहतर मूल्य मिले। कलेक्टर डॉ सिंह ने पारागांव के ग्रामीणों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जानकारी दी, ग्रामीणों ने बताया कि गाँव के 80 लोगों ने विश्वकर्मा योजना के तहत पंजीयन कराया है, कलेक्टर ने सरपंच को तत्काल वेरिफिकेशन कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गांव में वृद्धावस्था पेंशन योजना के हितग्राहियों की जानकारी ली। उन्होंने हितग्राहियों की सूची सही करने और पात्र हितग्राहियों को पेंशन प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने मानिकचौरी धान खरीदी केन्द्र पहुंचे, और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वद्वीप तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, गुरूवार 01 फरवरी 2024

संक्षिप्त समाचार

नक्सलियों के हमले में तीन जवान शहीद, 14 घायल

सुकमा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर नक्सलियों का कायराना करतूत सामने आई है। मंगलवार को सुकमा और बीजापुर की सीमावर्ती क्षेत्र टेकलगुड़ेम गांव में नए सुरक्षा कैंप स्थापित करने के बाद गस्त पर निकले सुरक्षा बल के जवानों पर नक्सलियों ने हमला कर दिया। इस हमले का जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया पर मुठभेड़ में तीन जवान की मौत हो गई वहीं 14 जवान घायल हो गये है। मिली जानकारी के अनुसार सुकमा और बीजापुर की सीमावर्ती क्षेत्र टेकलगुड़ेम गांव में नए कैंप स्थापना के बाद कोबरा-एसटीएफ-डीआरजी बल के जवान जोनागुड़ा-अलीगुड़ा क्षेत्र में गस्त पर निकले थे इसी दौरान उन पर माओवादियों ने हमला कर दिया। सुरक्षा बल ने भी माओवादियों के फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब देते हुए जवाबी कार्यवाही की। सुरक्षा बल के बढ़ते दबाव को देखकर माओवादी जंगल का आड़ लेकर भाग गए। किंतु इस मुठभेड़ में तीन जवानों की मौत हो गई वहीं 14 जवान घायल हो गये। घायल जवानों को उपचार के लिए रायपुर भेजा गया है। बता दें कि जिला सुकमा/बीजापुर की सीमावर्ती क्षेत्र टेकलगुड़ेम गांव में (थाना जगरगुण्डा, जिला सुकमा) नक्सल गतिविधि के पर अंकुल लगाते हुये क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधा से लाभान्वित करने के लिए 30 जनवरी, 2024 को नवीव सुरक्षा कैम्प स्थापित की गई। इस कैंप की स्थापना के बाद जवान गश्त पर निकले थे। यह भी बता दें कि इस क्षेत्र टेकलगुड़ेम के जंगल में वर्ष 2021 में भी जवनों और नक्सलियो की मुठभेड़ हुई थी जिसमें 23 जवान शहीद हो गये थे।

पूर्व विधायक देवलाल दुग्गा भड़के कलेक्टर पर

कांकेर(विश्व परिवार)। डीएमएफकी राशि में हुए भ्रष्टाचार के मामले मे पूर्व विधायक ने कलेक्टर पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई है। भानुप्रतापपुर के पूर्व विधायक देवलाल दुग्गा ने यहां तक कह दिया कि जिलाधीश नींद में हैं। इतना ही जनपद अध्यक्ष ने अधिकारियों पर मनमानी कर पैसे खर्च करने का भी आरोप लगाया है. अब सवाल ये उठता है कि, भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई कब की जाएगी? बता दें कि, दुर्गुकोंदल जनपद पंचायत में डीएमएफकी राशि में 2 करोड़ से अधिक रुपए का गड़बड़ घोटाला हुआ है और घटिया स्तर की सामग्री क्रय कर उसे वितरित भी नहीं किया गया है. वहीं जब इसकी जानकारी जनपद पंचायत के अध्यक्ष जनपद सदस्यों को लगी तो उन्होंने मोर्चा खोल दिया है. जनपद सदस्यों ने जिम्मेदारों पर स्रद्धक्र दर्ज करने की मांग की है. वहीं इस मामले में जिला कलेक्टर से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि, इस पर जांच चल रही है और भौतिक परीक्षण बचा है. उसके बाद ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी।

महिला से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

धमतरी(विश्व परिवार)। नदी किनारे शौच के लिए रुकी एक महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चौकी करेलीबाड़ी पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना 27 जनवरी की है। पेट दर्द से परेशान प्रार्थीया अपने भाई व जीजा के साथ कुरुद जा रही थी। इसी दौरान उसे शौच लगा तो वह नदी किनारे झाडियों में शौच के लिए गई। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति आकर जबरदस्ती महिला के साथ दुष्कर्म करने लगा पीडिता द्वारा शोर गुल कर चिल्लाने पर अज्ञात आरोपी अपने मो0सा0 क्र0 सीजी 04 एलयू 0513 को लेकर घटनास्थल से भाग गया। पीड़िता के लिखित आवेदन पर चौकी करेलीबडी में अपराध क्र. 37/24 धारा 376 भादवि.अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।विवेचना दौरान जरिये मुखबीर की सूचना पर संदेही लिलेश कुमार साहू पिता स्व0 मनोज कुमार साहू उम्र 30 वर्ष साकिन सिंधौरी को 29.01.24 को हिरासत में लेकर कडाई से पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किये।

अवैध खनन रोकने पहुंचे खनिज विभाग की टीम पर माफ्रियाओं ने किया हमला

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कुटैना स्थित रेत घाट पर अवैध उत्खनन रोकने पहुंची खनिज विभाग की टीम पर माफ्रियाओं ने हमला कर दिया। विभाग की गाडियों में भी तोडफ़ोड़ की गई है. इस मामले में अब विभाग एफ्आईआर दर्ज करने की तैयारी कर रहा है. बता दें कि, पांडुका के कुटैना रेत घाट में लगातार अवैध उत्खनन की शिकायत खनिज विभाग की टीम को मिल रही थी. इसी कड़ी में आज खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी. लेकिन माफ्रियाओं ने अवैध उत्खनन का काम बंद करना तो दूर खनिज टीम पर ही हमला बोल दिया है. खनिज विभाग के अधिकारी किसी तरह वहां से अपनी जान बचाकर भागने में सफ्ल हुए, लेकिन उनकी गाडियों को भी तोड़ दिया गया है।

जनदर्शन में आज दिव्यांग मनोहर भेड़िया को मिला बैसाखी एवं श्रवणबाधित बालक नितिन को मिला श्रवण यंत्र

बालोद(विश्व परिवार)। संयुक्त जिला कार्यालय के जनदर्शन कक्ष में आज आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम जिले के दिव्यांग युवक मनोहर भेड़िया एवं श्रवणबाधित बालक नितिन के लिए राहत भरा साबित हुआ। उल्लेखनीय है कि अपने दिव्यांगता के कारण चलने-फिरने में हो रही परेशानियों के चलते जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम गब्दी के दिव्यांग युवक श्री मनोहर भेड़िया ने बैसाखी की मांग करने के लिए जनदर्शन कार्यक्रम में आज कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल से मुलाकात करने पहुँचे थे। कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने जनदर्शन में पहुँचे दिव्यांग युवक श्री मनोहर भेड़िया से बातचीत कर उनके मांगों एवं समस्याओं के

संबंध में जानकारी ली। दिव्यांग मनोहर के द्वारा चलने-फिरने में सहुलियत के लिए बैसाखी की मांग करने पर कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को तलब कर दिव्यांग मनोहर भेड़िया को तत्काल बैसाखी प्रदान कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा चन्द्रवाल ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों का दिव्यांग श्री मनोहर भेड़िया को कृत्रिम पैर प्रदान करने हेतु उनके पैर का नाप लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर दिव्यांग मनोहर को जनदर्शन कक्ष में ही बैसाखी प्रदान किया गया। इसी तरह जनदर्शन में आज जिला मुख्यालय बालोद के कुर्मीपारा निवासी श्रवणबाधित बालक नितिन एवं उनके पिता श्री महेश कुमार ने श्रवण यंत्र के मांग करने हेतु कलेक्टर श्री चन्द्रवाल से मुलाकात करने पहुँचे थे। कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने श्रवणबाधित बालक एवं उनके पिता से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। श्रवणबाधित बालक के पिता के द्वारा श्रवण यंत्र की मांग किए जाने पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को तलब कर दिव्यांग बालक नितिन को तत्काल श्रवण यंत्र प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के त्वरित कार्रवाई के फ्लस्वरूप तत्काल बैसाखी एवं श्रवण यंत्र मिलने से दिव्यांग मनोहर एवं श्रवणबाधित बालक नितिन बहुत ही प्रसन्नचित नजर आ रहे थे। जनदर्शन में आज कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को जनदर्शन में पहुंचे लोगों के समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अतिक्रमण के विरुद्ध दिखनी चाहिए कार्यवाही, राजस्व और वन विभाग को कलेक्टर गोयल के निर्देश

हर दिन का टारगेट बनाकर आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

वायुसेना और थलसेना भर्ती के पंजीयन हेतु युवाओं को करें जागरूक, निःशुल्क ट्रेनिंग भी दिलवाएं

रायगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने अतिक्रमण को लेकर स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी एसडीएम और तहसीलदार अपने क्षेत्रों में शहरी के साथ ग्रामीण इलाकों में अतिक्रमण के विरुद्ध कार्यवाही दिखनी चाहिए। पटवारी को अपने हल्के के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। कहीं से भी शिकायत आने पर तत्काल जांच कर कार्यवाही करें। वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वन भूमि पर हो रहे अतिक्रमण पर कार्यवाही होनी चाहिए। इसमें कहीं कोताही न हो इसका खास खयाल रखें। कलेक्टर श्री गोयल ने जिले में किसानों के केसीसी निर्माण को लेकर कहा कि कृषि विभाग और अपेक्स बैंक के समन्वय से कार्य में प्रगति लाने की आवश्यकता है। उन्होंने अपेक्स बैंक के नोडल अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि समितियों में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही कर कृषि विभाग को अवगत कराएं। जिससे किसानों को सूचना दी जा सके। कलेक्टर श्री गोयल ने प्रयोगशाला में मृदा परीक्षण के दिए निर्देश के पालन की समीक्षा करते हुए कहा कि सैंपल का शत-प्रतिशत कलेक्शन किया जाए। इसमें एक सप्ताह में प्रगति दिखनी चाहिए। इसके साथ ही परीक्षण के बाद जारी होने वाले सर्टिफिक्रेट का आरएईओ के माध्यम से वितरण करवाएं। आयुष्मान कार्ड बनाने की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिदिन का टारगेट तय कर शेष लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस कार्य में उन्होंने पंचायत विभाग के मैदानी अमले का सहयोग लेने के लिए कहा। जिन गांवों में कैंप लगने हैं, वहां पहले से लोगों को सूचना देने के निर्देश दिए। धान खरीदी के पश्चात चावल जमा करने की स्थिति पर कलेक्टर श्री गोयल ने जानकारी ली। उन्होंने कहा कि चावल जमा करने में तेजी लाएं। राशन कार्ड धारियों के ई-केवाईसी का कार्य लगातार जारी रखने के निर्देश दिए। श्रमिकों के लिए बन रहे अस्पताल का कार्य जल्द पूरा करवाने के लिए विभागीय समन्वय की जिम्मेदारी सहायक श्रमायुक्त को देते हुए उन्होंने कहा कि काम के प्रगति की निरंतर निगरानी करें। कलेक्टर श्री गोयल ने जन समस्या निवारण पोर्टल्स की समीक्षा करते हुए कहा कि जनसुविधाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विभागों को मिलने वाले आवेदनों का समय से निराकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कलेक्टर ने स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया

सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री के.एल. चौहान ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पुण्यतिथि पर, उनकी प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पित कर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारंगढ़ में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। कलेक्टर श्री चौहान ने गांधी जी के द्वारा कुष्ठ रोगियों को की गई निःस्वार्थ सेवा का जिक्र करते हुए बताते हुए कहा कि उन दिनों कुष्ठ बीमारी की कोई उपचार नही होने के बाद भी कुष्ठ रोगियों का सेवा किये। वर्तमान में जब इसके नियंत्रण के प्रभावशाली उपचार मौजूद है, तब तो हमें निश्चित ही कुष्ठ पीड़ितों का निःस्वार्थ सेवा करना चाहिए। कलेक्टर ने कुष्ठ बीमारी के पहचान करने के आसान तरीकों को भी बताते हुए स्कूली बच्चों को बताया कि किसी भी व्यक्ति में यदि कुष्ठ के लक्षण हो तो उन्हें चिकित्सकों के माध्यम से सत्यापन कराकर त्वरित उपचार कराने की सलाह दी, साथ ही इस बीमारी को छिपाने या देरी से उपचार करने से क्या-क्या हानियां हो सकती है इन सभी बातों को स्कूली बच्चों के मध्य बहुत ही सरल एवं सहज स्वभाव में जानकारी साझा किया। कार्यक्रम में सभी स्कूली बच्चों के साथ कुष्ठ मुक्ति संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के मध्य कुष्ठ क्विज कांटेस्ट का आयोजन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया जिसमें कु.रागिनी ठाकुर, कु प्रीति साहू, कु मनीष साहू को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि इस स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलने है।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान की हुई शुरूआत

कांकेर(विश्व परिवार)। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आज शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र श्रीरामनगर कांकेर में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला स्तरीय कुष्ठ दिवस कार्यक्रम का आयोजन कर दो मिनट का मौन श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशन में जिला कुष्ठ उन्मूलन की दिशा में बेहतर कार्य कर रहा है, नतीजन जिले में कुष्ठ प्रभाव दर वर्ष-2017-18 में 1.69 से घटकर वर्ष-2023-24 में 0.79 हो गया है। इस वर्ष भी घर-घर सर्वे के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता लाते हुए कुष्ठ मुक्त कांकेर जिला के सपने को साकार करना है। उन्होंने सभी आरएचओ, मितानिन, मितानिन प्रशिक्षण सेक्टर सुपरवाइजरों को कार्ययोजना बनाकर इस अभियान को सफ्ल बनाने की अपील की है। अभियान में पंचायती राज संस्थाओं, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, महिला एवं बाल विकास और समाजिक न्याय एवं अधिकारिता आदि अन्य विभाग की भी भागीदारी होगी एवं सबका समन्वित प्रयास रहेगा। सहायक नोडल अधिकारी ने बताया कि कुष्ठ रोग से जुड़े कलंक और भेदभाव को मिटाने के उद्देश्य से गांधी जी की पुण्य तिथि 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

शासन से प्राप्त पत्रों का जवाबदेही से करें निराकरण-कलेक्टर

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति प्राथमिकता से करें

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय निर्माण कार्य में प्रगति लायें

मोहला(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने आज समय सीमा की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य शासन से प्राप्त पत्रों को जवाबदेही पूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय-समय पर राज्य शासन द्वारा निर्देशन पत्र प्राप्त होते हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार प्राप्त पत्रों का निराकरण किया जाना अति आवश्यक है। सभी अधिकारियों को जवाबदेही पूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि हितग्राहियों का योजना अंतर्गत पंजीयन किया गया है, पंजीकृत सभी हितग्राहियों के लिए ऋण स्वीकृति प्राथमिकता से करें। कलेक्टर ने बैठक में योजना अंतर्गत हितग्राहियो के लिए ऋण स्वीकृति में धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति लाये। उन्होंने विकासखंडो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना को प्राथमिकता में लेते हुए क्रियान्वयन करें। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओ, सेवाओं व कार्यक्रमों के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र ही पूर्ण कराये। कलेक्टर ने बैठक में स्पष्ट निर्देशित किया कि समय सीमा में निर्माण कार्यों को पूर्ण नहीं करने पर विभागीय अधिकारी पर जवाबदेही तय किया जायेगा। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों के अंतर्गत विभागों को राशि जारी किया जाता है। प्राप्त राशि का सदुपयोग करते हुए मंशा अनुसार निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर ने बैठक में लंबित पत्रों की समीक्षा करते हुए कहा कि लंबित पत्रों का शीघ्र निराकरण करें।

पीएम, सीएम पोर्टल में आए समस्याओं का त्वरित निराकरण करें- श्री चतुर्वेदी

शासकीय विश्राम गृह में स्थानीय खान-पान को दी जाएं प्राथमिकता

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। समय सीमा की बैठक में जिला कलेक्टर ने सर्वप्रथम पीएम सीएम पोर्टल में आए समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जल्द से जल्द समस्याओं का निराकरण करें। साथ ही क्षेत्रीय खानपान को बढ़ावा देने के लिए शासकीय विश्राम घरों में स्थानीय प्राथमिकताओं रखने के निर्देश दिए साथ ही जिला प्रशासन द्वारा जारी मोबाइल नंबर पर आ रहे समस्याओं पर जल्द प्रतिक्रिया देने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग या कार्यालय में कोई भी

नस्ती लंबित न हो उसे तत्काल निराकरण करें। इसके साथ ही स्वांवलंबन योजना के तहत छोटी - छोटी दुकानें बनाकर हितग्राहियों को लाभान्वित करें। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत हितग्राहियों को इस योजना से जोड़कर लाभ देने के निर्देश भी दिए, मदिरा दुकानों के आसपास साफ-सफाई रखने के लिए भी निर्देशित किया। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए आस्था विद्यालय किरंदुल में 8 कक्षों का नया भवन, आश्रम, छात्रावास में निवासरत बच्चों के लिए स्थानीय महिला स्व सहायता समूह से नाईट ड्रेस सिलाई करने, 12वीं बोर्ड परीक्षा समाप्त होते ही 12वीं के छात्र,छात्राओं के करियर काउंसलिंग, नया नवोदय विद्यालय एवं केंद्रीय विद्यालय की स्थापना, समस्त स्कूलों में छात्र,छात्राओं हेतु आय, जाति, निवास प्रमाण-पत्र आसानी से उपलब्ध कराने के संबंध में निर्देश दिए। बाल संप्रेक्षण गृह में रहने वाले सभी बालकों को सभी प्रकार की सुविधाओं के साथ-साथ कानूनी सुविधा भी उपलब्ध कराने को कहा। इसके अलावा नगरीय निकायों में मानसून से पहले वृक्षा रोपण (पौधा रोपण) की आवश्यकता अनुरूप 1 मार्च के पहले तक कार्य योजना तैयार करें। आम जन के हित में नगरीय निकायों में स्ट्रीट लाइट की कार्ययोजना तैयार करने निर्देश दिए। क्षीर सागर दुग्ध परियोजना व टेकनार डेयरी में नई मशीनों की स्थापना करने के निर्देश दिए, ताकि उसके उत्पादन एवं गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकें। एन.आर.सी. सेंटर में बच्चों की वेटिंग लिस्ट तैयार रहे ताकि कुपोषित बच्चों की संख्या में आने वाले समय में कम किया जा सके साथ ही माताओं के प्रशिक्षण के साथ-साथ मनोरंजन की व्यवस्था भी कि जाए। बैठक में कलेक्टर ने कृषि विभाग को निर्देशित करते हुए काली मिर्च की खेती, प्रत्येक जनपद में एक-एक ग्राम को सोलर गांव बनाने, स्थानीय बाजारों में जैविक सब्जियों के अगल-अलग व्यवस्था करने के निर्देश दिए। क्षेत्रिय उत्पादकता और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरगी पत्तों से दोना पत्तल निर्माण कार्य, बांस से बने डस्टबिन के संबंध में संबंधित अधिकारियों निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए प्रत्येक ब्लॉक में शव वाहन फ्रीजर एवे एम्बुलेंस, स्वास्थ्य संस्थानों में एक्स-रे संचालन के लिए 3 स्तरीय बैरियर, सीएच सी में डिजिटल एक्स-रे कि व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही सिकल सेल के शत प्रतिशत जांच कर प्रमाण पत्र प्रदाय सुनिश्चित करने को कहा ताकि दंपति के जीवन में कोई समस्या न हो।

रोहित शर्मा ने हार के बाद दिया बड़ा बयान, बताया- कहां पर चूकी टीम

हैदराबाद(एजेंसी)। इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज के पहले मैच में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत पर 28 रनों की यादगार जीत हासिल की। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मेजबान टीम इंग्लैंड से इंडिया टीम को मिली हार पर प्रतिक्रिया दी। रोहित ने टीम को मिली हार को लेकर कहा कि शीर्ष क्रम ने अच्छी पारी नहीं खेली और हमने मौके भी गंवाए। इंग्लैंड ने ओली पोप के शानदार 196 रनों की मदद से भारत की 190 रनों की बढ़त को पीछे छोड़ा, अपनी दूसरी पारी में 420 रन बनाए, जिससे भारत को 231 रनों का लक्ष्य मिला। जवाब में भारत 202 रन पर आउट हो गया और चार दिन के अंदर ही मैच हार गया। रोहित शर्मा ने मैच के बाद कहा, चार दिनों तक क्रिकेट खेला गया, इसलिए यह बताना मुश्किल है कि कहां गलती हुई। 190 की बढ़त मिलने के बाद हमें लगा कि हम खेल में आगे हैं। असाधारण बल्लेबाजी, मैंने भारतीय परिस्थितियों में किसी विदेशी बल्लेबाज द्वारा देखी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी में से एक, ओली पोप ने शानदार पारी खेली। मुझे लगा कि 230 का स्कोर हासिल किया जा सकता था। पोप ने न केवल 196 रन बनाए, बल्कि बेन फोक्स, रेहान अहमद और टॉम हार्टले के साथ क्रमश: 112, 64 और 80 की तीन महत्वपूर्ण साझेदारियां भी कीं। रोहित शर्मा ने अपने गेंदबाजों का बचाव किया, जिन्होंने इंग्लैंड को दूसरी पारी में 420 रन तक पहुंचने दिया था। हमने स्कोर तक पहुंचने के लिए ज्यादा अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। हमने सही क्षेत्र में गेंदबाजी की। जब आप दिन खत्म करते हैं, तो आप विश्लेषण करते हैं कि क्या अच्छा रहा और क्या अच्छा नहीं रहा। लेकिन पोप ने 'बहुत अच्छा खेला'। हालांकि भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। कप्तान रोहित शर्मा और उनके सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। हालांकि, मेजबान टीम ने जायसवाल और शुभमन को जल्द ही पवेलियन लौटा दिया और फिर वहां से चीजें खराब हो गईं। केएस भरत ने (28) और रविचंद्रन अश्विन (28) ने आठवें विकेट की साझेदारी के लिए 59 रन और आखिरी विकेट की साझेदारी के लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने 25 रन जुटाए, लेकिन अंत में यह लड़ाई पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने कहा, एक या दो चीजों पर गौर करना मुश्किल है। हमने उस स्कोर तक पहुंचने के लिए अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। आखिरी जोड़ी के 20-30 रन बनाने पर कुछ भी संभव है। निचले क्रम ने अच्छी पारी खेली और शीर्ष क्रम को दिखाया क्या करना है। हमने कुछ जोखिम नहीं उठाए लेकिन ऐसा हो सकता है, यह सीरीज का पहला गेम है। इंग्लैंड ने रविवार को हैदराबाद में पहले टेस्ट के चौथे दिन भारत को 28 रन से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

व्यापार समाचार

स्पाईसजेट को इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम के जरिए मिले 160 करोड़ रुपए

नई दिल्ली(एजेंसी)। स्पाइसजेट ने 744 करोड़ रुपये के अलावा, इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) के जरिए 160 करोड़ रुपए भी सुरक्षित किए हैं, जिसके पास अब 900 करोड़ रुपये का पर्याप्त बैंक बैलेंस है। एयरलाइन सूत्र ने बताया। पिछले हफ्ते, स्पाइसजेट ने पहली किश्त में कुल 744 करोड़ रुपये के शेयर और वारंट आवंटित किए थे। यह फैसला कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा 25 जनवरी को लिया गया, जो स्पाइसजेट की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सूत्र ने आगे कहा कि एयरलाइन के सीएमडी अजय सिंह व्यक्तिगत रूप से सभी प्रमुख खर्चों की निगरानी करेंगे। सूत्रों ने कहा, प्रत्येक रुपये की सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी, मंजूरी के बिना किसी भी व्यय की अनुमति नहीं होगी। सिंह ने स्पष्ट किया कि खराब प्रदर्शन करने वालों को स्पाइसजेट में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। एक एयरलाइन अधिकारी ने कहा कि फंड इन्फ्यूजन के साथ, कंपनी फ्लीट अपग्रेड, टाइम परफॉर्मेंस को बढ़ाने और कस्टमर्स को प्राथमिकता देगी। इसके अलावा, संचालन को सुव्यवस्थित करने और दक्षता बढ़ाने के लिए लागत में कटौती के उपायों की एक श्रृंखला लागू की जाएगी। कंपनी को उम्मीद है कि फाइनेंसिंग के लिए वह पर्याप्त पूंजी जुटाएगी। स्पाइसजेट को शेष सब्सक्राइबर्स से इक्विटी/वारंट जुटाने की एक और किश्त पूरी करनी है और उन्होंने मौजूदा तरजीही मुद्दे के तहत प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सक्षम प्राधिकारी से अतिरिक्त समय का अनुरोध किया है, जैसा कि 10 जनवरी, 2024 को कंपनी के शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया गया था।

यूको बैंक की एयरो सिटी शाखा का उद्घाटन

मोहाली(एजेंसी)। यूको बैंक के एमडी तथा सीईओ अश्वनी कुमार ने आज मोहाली सिटी सेंटर में यूको बैंक की एयरो सिटी शाखा का उद्घाटन किया। अश्वनी कुमार ने ग्राहकों को संबोधित करते हुए यूको बैंक के दिसंबर 2023 के वित्तीय परिणामों की जानकारी दी और बताया कि यूको बैंक देश का अग्रणी बैंक है। पिछली तिमाही में बैंक ने उल्लेखनीय लाभ कमाया है। कारोबार के अन्य क्षेत्रों में यूको बैंक का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बैंक ने ग्राहकों की सुविधा के लिए अनेक ऋण योजनाएं तथा डिजिटल उत्पाद शुरू किए हैं। अश्वनी कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित ग्राहकों का आभार व्यक्त किया और ग्राहकों से अपना सहयोग बनाए रखने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में अंचल प्रमुख घनश्याम परमार ने ग्राहकों को संबोधित करते हुए बताया कि चंडीगढ़ अंचल में यूको बैंक की 100 से अधिक शाखाएँ हैं। बैंक के वित्तीय उत्पाद सभी प्रकार के उपभोक्ताओं को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। बैंक के स्टाफ द्वारा शाखा के आसपास के क्षेत्र में निवासियों को यूको बैंक के विभिन्न उत्पादों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कई ग्राहकों ने भी अपने विचार रखे और इस क्षेत्र में यूको बैंक द्वारा अपनी शाखा खोले जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अब उन्हें बैंकिंग कामों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर बैंक के स्टाफ एवं ग्राहक काफी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सेंसेक्स नई ऊंचाई पर, निवेशकों ने तीन घंटे में कमाए 4.96 लाख करोड़ रुपए

मुंबई(एजेंसी)। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन आज सेंसेक्स में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक सेंसेक्स 1000 अंक से ज्यादा की बढ़त के साथ 71,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा था वहीं निफ्टी में भी 300 अंक से ज्यादा की तेजी रही। ये 21,650 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। जानकारों की मानें तो रिलायंस इंडस्ट्री और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिल रही है, वहीं दूसरी ओर फेड मीटिंग होने वाली है, जिसमें उम्मीद लगाई जा रही है कि ब्याज दरों में कटौती देखने को मिल सकती है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा होने का भी फायदा बाजार में देखने को मिल रहा है। तेजी की वजह से निवेशकों को मात्र तीन घंटे में 4.96 लाख करोड़ रुपए का फायदा हो चुका है। उल्लेखनीय है कि इसी सप्ताह मोदी सरकार ने अंतरिम बजट पेश करना है।

एक्स ने टेलर स्विफ्ट की खोज को रोका

सैन फ्रांसिस्को(एजेंसी)। एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स ने आखिरकार टेलर स्विफ्ट की खोज को रोक दिया है, क्योंकि पिछले हफ्ते टेलर स्विफ्ट की एआई-जनरेटेड तस्वीरें उसके प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गई थीं। लोकप्रिय गायक की छवियों को एक्स द्वारा हटाए जाने से पहले लाखों लोगों ने देखा था। उन छवियों पर धीमी कार्रवाई के लिए कंपनी की आलोचना की गई थी। स्विफ्ट की खोज करने पर अब एक संदेश दिखाई देता है- कुछ गलत हो गया। पुन: लोड करने का प्रयास करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने कहा कि सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए यह एक अस्थायी कार्रवाई है। कंपनी ने बताया, यह कार्रवाई बहुत सावधानी के साथ की गई है, क्योंकि हम इस मुद्दे पर सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। पहले के एक बयान में, एक्स ने कहा था कि उसकी ऐसी सामग्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति है। एक्स ने कहा, हमारी टीमें सक्रिय रूप से सभी पहचानी गई छवियों को हटा रही हैं और उन्हें पोस्ट करने के लिए जिम्मेदार खातों के खिलाफ उचित कार्रवाई कर रही हैं। स्विफ्ट की फर्जी तस्वीरें वायरल होने के बाद व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते लोगों को एआई द्वारा उत्पन्न डीपफेक से बचाने के लिए कानून बनाने की वकालत की थी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने इस घटना को खतरनाक बताया और कहा कि यह एआई मुद्दों में से एक है, जिसे जो बाइडेन प्रशासन प्राथमिकता दे रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि स्पष्ट स्विफ्ट एआई नकली खतरनाक और भयानक हैं। स्विफ्ट कथित तौर पर डीपफेक तैयार करने के लिए जिम्मेदार वेबसाइट के खिलाफ संभावित कानूनी कार्रवाई पर विचार कर रही है।

आईसीसी ने जसप्रीत बुमराह को जमकर लगाई फटकार

हैदराबाद(एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक फटकार लगाई गई है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि जसप्रीत बुमराह को हैदराबाद टेस्ट में आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो किसी खिलाड़ी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है। आईसीसी ने बुमराह को फटकार लगाई है, उनके ऊपर जुर्माना नहीं लगाया गया। यह 24 महीनों में उनका पहला अपराध था। हालांकि, आईसीसी ने कार्रवाई करते हुए उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया है। यह वाकया इंग्लैंड की दूसरी पारी के 81वें ओवर में हुआ। बुमराह ने जानबूझकर ओली पोप के रास्ते में कदम रखा था। पोप एक रन लेने के लिए दौड़े थे। बुमराह की हरकत से अनुचित शारीरिक संपर्क हुआ। हालांकि, कप्तान रोहित शर्मा ने मामला संभाला और दोनों खिलाड़ियों को शांत किया। टेस्ट सीरीज़ के शुरुआती मैच में इंग्लैंड से 28 रन की हार मौजूदा 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में टीम की दूसरी हार है, जिसका मतलब है कि भारत मौजूदा रैंकिंग में तीन स्थान गिरकर पांचवें स्थान पर आ गया है। दो बार के डब्ल्यूटीसी उपविजेता भारत का अंक प्रतिशत अब 54.16 से घटकर 43.33 हो गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारत को झटका, केएल राहुल और रविंदर जडेजा बाहर

नई दिल्ली(एजेंसी)। बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और मध्यक्रम के बल्लेबाज केएल राहुल 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा कि हैदराबाद में पहले टेस्ट के चौथे दिन भारत के 231 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी के दौरान जडेजा को हैमस्ट्रिंग चोट लगी। वहीं, केएल राहुल को भी इस मैच के दौरान ही चोट लगी और अब यह दोनों खिलाड़ी अगला मैच नहीं खेल पाएंगे। बयान में आगे बताया गया है कि पुरुष चयन समिति ने विशाखापत्तनम टेस्ट के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाज सरफराज खान, बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भारत की टेस्ट टीम में शामिल किया है। जडेजा और राहुल की चोटें भारतीय टीम के लिए एक बड़ा झटका है। खासकर हैदराबाद टेस्ट 28 रन से हारने और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पिछड़ने के बाद। मेजबान टीम को पहले से ही विराट कोहली की कमी खल रही है, जो व्यक्तिगत कारणों से पहले दो टेस्ट से बाहर हैं। साथ ही वरिष्ठ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी टखने की चोट से जूझ रहे हैं। वाशिंगटन ने भारत के लिए चार टेस्ट खेले हैं, जिसमें उनके नाम छह विकेट हैं।

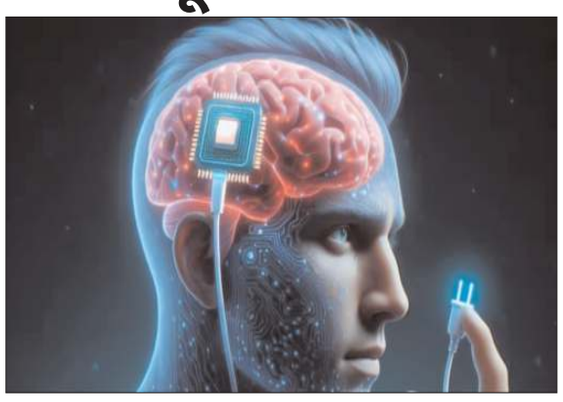

इंसानी दिमाग में पहली बार लगाया गया 'ब्रेन चिप' मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने किया ये करिश्मा

नई दिल्ली(एजेंसी)। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने घोषणा की है कि उनकी मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफ़ेस कंपनी न्यूरालिंक ने अपना पहला मानव मस्तिष्क प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर लिया है, और यह अच्छी तरह से रिकवर हो रहा है। मस्क ने कहा कि कंपनी का पहला उत्पाद, जिसे टेलीपैथी कहा जाता है, केवल सोचने से फोन या कंप्यूटर पर नियंत्रण ला देगा। न्यूरालिंक को पिछले साल मानव परीक्षण के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की मंजूरी मिली थी और सितंबर में कहा गया था कि वह छह साल के शुरुआती परीक्षण के लिए अपने पहले परीक्षण विषयों की तलाश कर रहा था। मस्क ने देर रात एक्स पर पोस्ट किया, पहले इंसान को कल न्यूरालिंक से इम्प्लांट मिला और वह ठीक हो रहा है। उन्होंने कहा, प्रारंभिक परिणाम आशाजनक न्यूरॉन स्पाइक का पता लगाते हैं। मस्क ने बताया कि पहले न्यूरालिंक उत्पाद को टेलीपैथी कहा जाता है।अरबपति के अनुसार, यह आपके फोन या कंप्यूटर और उनके माध्यम से लगभग किसी भी डिवाइस को केवल सोचने मात्र से नियंत्रित करने में सक्षम होगा। मस्क ने कहा, शुरुआती उपयोगकर्ता वे होंगे, जिन्होंने अपने अंगों का उपयोग खो दिया है। कल्पना कीजिए कि स्टीफन हॉकिंग एक स्पीड टाइपिस्ट या नीलामीकर्ता की तुलना में तेजी से संवाद कर सकते हैं, यही लक्ष्य है। यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) को दी गई फाइलिंग के अनुसार, पिछले साल नवंबर में ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस कंपनी ने उद्यम पूंजी में अतिरिक्त 43 मिलियन डॉलर जुटाए थे। फाइलिंग से पता चला कि कंपनी ने पीटर थिएल के फाउंडर्स फंड के नेतृत्व में अपनी पिछली किश्त को अगस्त की शुरुआत में 280 मिलियन डॉलर से 323 मिलियन डॉलर तक बढ़ा दिया था। फाइलिंग के अनुसार, बत्तीस निवेशकों ने इस दौर में भाग लिया। न्यूरालिंक, जिसे 2016 में स्थापित किया गया था, ने एक सिलाई मशीन जैसा उपकरण विकसित किया है, जो मस्तिष्क के अंदर अति पतले धागे को प्रत्यारोपित करने में सक्षम है।

लबर्न स्टार्स के साथ 2026-27 तक जुड़े रहेंगे ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस

केप टाउन(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में मेलबर्न स्टार्स के साथ अपना अनुबंध तीन साल तक बढ़ा दिया है। यानी वो अब 2026-27 तक स्टार्स से जुड़े रहेंगे। मार्कस स्टोइनि का मेलबर्न स्टार्स के साथ बने रहने का निर्णय सस्पेंस में था। कई क्लबों ने इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने में रुचि व्यक्त की थी। पर्थ स्कॉर्चर्स स्टोइनिस की प्रारंभिक बीबीएल टीम थी जहां उन्होंने 2012-13 सीज़न में तीन मैच खेले थे। उन्हें फिर से अपने साथ शामिल करना चाहती थी। हालांकि, स्टोइनिस ने स्टार्स के साथ अपनी यात्रा जारी रखने का फैसला किया। स्टार्स के प्रति उनकी प्रतिबद्धता किसी से छिपी नहीं है। स्टोइनिस एक बड़े रिकॉर्ड के करीब हैं जिसे केवल कुछ चुनिंदा लोग ही हासिल कर पाते हैं। वो मेलबर्न स्टार्स के लिए 100 मैच खेलने के करीब हैं। स्टार्स के पूर्व कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने पिछले सीजन में यह उपलब्धि हासिल की थी। मैक्सवेल के नेतृत्व की भूमिका से हटने के साथ स्टोइनिस टीम की कप्तानी के लिए संभावित उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। वर्तमान में, वह दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग में डरबन के सुपर जायंट्स का हिस्सा हैं।

द्वितीय ओडिशा माइनिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इंटरनेशनल एक्सपो 2024 वैश्विक खनन नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है

नईदिल्ली। राज्य की राजधानी जल्द ही फ्यूचरएक्स ट्रेड फेयर एंड इवेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बहुप्रतीक्षित द्वितीय ओडिशा माइनिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इंटरनेशनल एक्सपो की मेजबानी करने वाली है। लिमिटेड, वैश्विक खनन और संबद्ध उद्योग पर एक विशेष अंतर्राष्ट्रीय क्व2क्वव्यापार शो हैं। जो ट्रेड शो 15 से 18 फरवरी तक बारामुंडा ग्राउंड, भुवनेश्वर में होने वाला है, ओडिशा असेंबली ऑफस्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और अन्य व्यापार निकायों के सहयोग से आयोजित यह एक्सपो दुनिया भर से खनन से संबंधित उत्पादों, सेवाओं और आपूर्ति में अत्याधुनिक प्रगति का अनावरण करने का वादा करता है। भारत के खनिज केंद्र के रूप में प्रसिद्ध ओडिशा में क्रोमाइट, निकल, बॉक्साइट, मैंगनीज, लौह अयस्क और कोयले का पर्याप्त भंडार है। यह एक्सपो व्यवसायों को इस आकर्षक बाजार में प्रवेश करने, ब्रांड दृश्यता बढ़ाने और उद्योग के नेताओं और निर्णय निर्माताओं के साथ जुड़ने का एक विशेष अवसर प्रदान करेगा। श्री नमित गुप्ता, निदेशक ने कहा - सरकार ने सक्रिय पहल के माध्यम से खनन उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता सराहनीय ढंग से प्रदर्शित की है। रणनीतिक नीतियों को लागू करके और एक सक्षम वातावरण बनाकर, उन्होंने न केवल निवेश को आकर्षित किया है बल्कि इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में सतत विकास का मार्ग भी प्रशस्त किया है। जिम्मेदार और नैतिक खनन प्रथाओं पर सरकार का जोर वैश्विक मानकों के अनुरूप है, जो एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है। ये प्रयास न केवल क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि में योगदान करते हैं बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता के साथ औद्योगिक विकास को संतुलित करने के लिए सरकार के समर्पण को भी रेखांकित करते हैं। इसके अलावा, यह एक्सपो अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को आकर्षित करता है, विदेशी निवेश और तकनीकी सहयोग के लिए दरवाजे खोलता है, जिससे वैश्विक खनन परिदृश्य में भारत की स्थिति और मजबूत होती है। कुल मिलाकर, यह आयोजन देश में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और खनन और बुनियादी ढांचे क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है।

एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स लिमिटेड का रु. 920 करोड़ की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश खुलेगा 5 फरवरी, 2024 को

नईदिल्ली। एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स लिमिटेड (द पार्क या कंपनी) सोमवार, 5 फरवरी 2024 को इक्विटी शेयरों की अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश की बोली/प्रस्ताव खोलेगी। इक्विटी शेयरों की इस कुल पेशकश का आकार रु. 9,200 मिलियन [रु. 920 करोड़] तक का है, जिसमें रु. 6,000 मिलियन [रु. 600 करोड़] तक का फ्रेश इशू और सेलिंग शेयरहोल्डर का कुल मिलाकर रु. 3,200 मिलियन [रु. 320 करोड़] तक का ऑफर फॉर सेल (बिक्री प्रस्ताव) शामिल है। (कुल ऑफर का आकार)। एंकर निवेशक बोली की तारीख शुक्रवार, 2 फरवरी, 2024 होगी। यह बोली/प्रस्ताव अभिदान (सब्सक्रिप्शन) के लिए सोमवार, 5 फरवरी 2024 को खुलेगी और बुधवार, 7 फरवरी 2024 को बंद होगी। पेशकश का मूल्य दायरा रु.147 से रु.155 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बोली न्यूनतम 96 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 96 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है। कंपनी ने इस इशू द्वारा जुटाई गई राशि का उपयोग, कंपनी के कुछ ऋण के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान और/या पूर्व-भुगतान और शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों (इशू का उद्देश्य) के लिए करने का प्रस्ताव किया है। ऑफर फॉर सेल में एपीजे प्राइवेट लिमिटेड (प्रमोटर ग्रुप सेलिंग शेयरहोल्डर) द्वारा रु. 2,960.00 मिलियन [रु. 296 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री, आरईसीपी ढ्ढ्र पार्क होटल इन्वेस्टर्स लिमिटेड द्वारा रु. 230.00 मिलियन [रु. 23 करोड़] और आरईसीपी ढ्ढ्र पार्क होटल को-इन्वेस्टर्स लिमिटेड (इन्वेस्टर सेलिंग शेयरहोल्डर) द्वारा रु. 10.00 मिलियन [रु. 1 करोड़] तक की बिक्री शामिल है। जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इशू के बुक रनिंग लीड मैनेजर या बीआरएलएम हैं। ये इक्विटी शेयर, कंपनी के 29 जनवरी, 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के माध्यम से पेश किए जा रहे हैं, जो रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, पश्चिम बंगाल, कोलकाता (आरओसी) के पास दायर किया गया है और इसे बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफइंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 01 फरवरी 2024

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 11 फरवरी को

रायपुर (विसं)। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2023 की लिखित परीक्षा दिनांक 11 फरवरी 2024 (रविवार) को दो सत्रों में 28 जिलों में आयोजित की जाएगी। इन जिलों में अम्बिकापुर, बैकुण्ठपुर (कोरिया), बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग-भिलाई, दन्तेवाड़ा, जगदलपुर, जांजगीर-चांपा, जशपुर, कबीरधाम (कवर्धा), कांकेर, कोरबा, महासमुंद, रायपुर, रायगढ़, राजनांदगांव, बलौदाबाजार, बलरामपुर, सूरजपुर, गरियाबंद, नारायणपुर, कोण्डागांव, बीजापुर, सुकमा, बेमेतरा, बालोद, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही एवं मुंगेली के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ज़मीन, फ्लैट्स एवं दुकानों की ब्रिकी से आर.डी.ए. को मिले 6.91 करोड़

रायपुर (विश्व परिवार)। कौशल्या माता विहार में आवासीय, व्यावसायिक भूखंड तथा LIG -1 एवं LIG-2 फ्लैट्स एवं इंद्रप्रस्थ योजना में LIG-2 फ्लैट्स और बाम्बे मार्केट बोरियाखुर्द एवं विवेकानंद आश्रम के पास आर्दश बाजार योजना के दुकानों की बिक्री से रायपुर विकास प्राधिकरण (आर.डी.ए.) को रू. 6.91 करोड़ की प्राप्ती हुई है। मालूम हो कि आर.डी.ए. ने इन सभी योजनाओं के आवासीय, व्यावसायिक भूखंड, रो हाउस एवं स्कुल फ्लैट्स की ब्रिकी के लिए 15 जनवरी से 30 जनवरी तक निविदा बुलाई गई थी। निविदा में आर.डी.ए. को कुल 61 निविदा मिले थे, जिनमें से 42 निविदा सफल हुए। प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती शिम्मी नाहिद द्वारा बताया गया कि कौशल्या माता विहार में LIG 3BHK फ्लैट्स हेतु 32 निविदा प्राप्त हुई थी, जिसमें से 24 निविदा सफल हुई। इसमें 3.72 करोड़ रूपयें मिले। इसी तरह इंद्रप्रस्थ योजना फेस-2 में LIG 2BHK के लिए 15 निविदा प्राप्त हुई थी, जिसमें से 7 निविदा सफल हुई, जिससे 1 करोड़ रूपये मिले। उन्होने बताया कि आर.डी.ए. की विभिन्न योजनाओं के शेष बचे आवासीय व्यावसायिक भूखंड तथा LIG फ्लैट्स और बोरियाखुर्द योजना में दुकान एवं आदर्श बाजार योजना के दुकानों तथा हॉल के विक्रय के लिए प्रत्येक माह के दूसरे एवं चौंथे मंगलवार को फिर से निविदा आमंत्रित की जावेगी।

आरकेसी के सामने से प्रगति कॉलेज तिराहा तक मार्ग का नामकरण वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय रमेश नैय्यर के नाम पर

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के तहत राजकुमार कॉलेज (आरकेसी) के सामने (चौबे कॉलोनी मार्ग) से प्रगति कॉलेज तिराहा के मार्ग का नामकरण राजधानी शहर रायपुर के प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम के महापौर श्री एजाज ढेबर द्वारा रखे गये प्रस्ताव पर नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से पारित संकल्प पर नगर पालिक निगम की सामान्य सभा की बैठक में सर्वानुमति से पारित संकल्प के परिपालन में नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के माध्यम से नगर निगम जोन क्रमांक 7 के सहयोग से वरिष्ठ पत्रकार एवं छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के पूर्व संचालक स्वर्गीय श्री रमेश नैय्यर की पुण्य स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने अब रमेश नैय्यर मार्ग कर दिया गया है.निगम जोन नम्बर 7 द्वारा निगम सामान्य सभा में पारित संकल्प अनुसार रमेश नैय्यर मार्ग की नामपट्टीका प्रगति कॉलेज तिराहा एवं राजकुमार कॉलेज के सामने चौबे कॉलोनी मार्ग में लगवा दी गयी है. उक्त जानकारी महापौर श्री एजाज ढेबर, सभापति श्री प्रमोद दुबे, संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री आकाश तिवारी ने दी है. उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय श्री रमेश नैय्यर द्वारा रायपुर सहित छत्तीसगढ़ राज्य की पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में दिये गये अमूल्य योगदान का स्मरण किया है एवं स्वर्गीय श्री रमेश नैय्यर को पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य का अनमोल रत्न बताया है.

उज्जैन और काशी की तर्ज पर बनेगा राजिम कॉरीडोर, केंद्र से मांगा सहयोग

छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली/रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पर्यटन व संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी से मुलाक़ात की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ की पर्यटन विकास की संभावनाओं पर चर्चा करते हुये छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और विकास के लिए राशि केंद्रीय बजट से स्वीकृत करने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने शक्तिपीठ परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के पाँच शक्तिपीठों को जोड़ने एवं विकसित करने, राजिम कॉरीडोर के निर्माण सहित पुरखौती मुक्तांगन में कन्वेन्शन सेंटर बनाने के लिए केंद्र से सहयोग मांगा।

केंद्रीय मंत्री से उनके कार्यालय में मुलाक़ात के दौरान संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में कुल 63 राज्य संरक्षित स्मारक हैं। संरक्षित स्मारकों, अवशेषों, पुरास्थलों और संग्रहालयोंके अनुरक्षण और विकास कार्य सहित पुरातात्विक गतिविधियों के संचालन के लिए 1965 लाख की राशि का प्रस्ताव तैयार किया गया है। उन्होंने केंद्रीय बजट से स्वीकृति का अनुरोध किया।

श्री बृजमोहन अग्रवाल ने उज्जैन और काशी में बनाये गए भव्य कॉरीडोर की तरह राजिम मंदिर परिसर को विकसित करने विकास कार्यों व जीर्णोद्धार की आवश्यकता बताई। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से राजिम मंदिर परिसर के भव्य आकर्षक और गरिमामय ढंग से विकसित करने के लिए कॉरीडोर बनाने हेतु 75 करोड़ की राशि स्वीकृत करने की मांग की।

माँ बम्लेश्वरी देवी प्रसाद योजना के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री आएंगे छत्तीसगढ़

श्री बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि चार धाम के तर्ज पर छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण धार्मिक आस्था के केन्द्रों को शक्तिपीठ परियोजना के तहत विकसित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के पाँच शक्तिपीठ सूरजपुर के कुदरगढ़, चन्द्रपुर के चन्द्रहासिनी मंदिर, रतनपुर के महामाया मंदिर, डोंगरगढ़ के बम्लेश्वरी मंदिर और दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी मंदिर में चरणबद्ध ढंग से सुविधाएं विकसित की जाएगी। उन्होंने इसे पर्यटन मंत्रालय की योजना में शामिल कर स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया।

ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए केंद्रीय बजट से राशि दिये जाने का किया आग्रह

मंत्री श्री अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने पुरखौती मुक्तांगन का लोकार्पण किया था। देश-विदेश से आने वाले लोक कलाकारों और अतिथियों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए एक कन्वेन्शन सेंटर की आवश्यकता लंबे समय से महसूस हो रही है। उन्होंने इसके लिए 50 करोड़ की राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया।

इसके साथ ही उन्होंने प्रशाद योजनांतर्गत माँ बाघेश्वरी मंदिर, कुदरगढ़, सिरपुर के विकास कार्यों की स्वीकृति तथा स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत चयनित जगदलपुर एवं बिलासपुर डेस्टिनेशन के लिए पीडीएमसी (प्रोजेक्ट डेव्लपमेंट एंड मैनेजमेंट कंसल्टेंट) चयन कर क्रियान्वयन के लिए राशि स्वीकृति का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री को लोकार्पण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ आने का निमंत्रण भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री को मां बम्लेश्वरी देवी प्रशाद योजना के उद्घाटन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ आने का निमंत्रण भी दिया। जिस पर उन्होंने 15 फरवरी के बाद छत्तीसगढ़ आने की बात कही है।

विभिन्न प्रस्तावों पर केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।

रायपुर रेल मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर बीएमवाई (भिलाई मार्शलिंग यार्ड) में संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 31 जनवरी 2024 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, सिगनल एवं दूरसंचार तथा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों के साथ ऑफीसर्स रेस्ट हाउस, बी एम वाई में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई-

स्पैड से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियां, शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, एक्सीडेंट/डिरेलमेंट का कारण एवं निवारण, हॉट एक्सल, ब्रेक बाइंडिंग, ट्रेन पार्किंग का कारण एवं निवारण, सिगनलिंग गियर के मरम्मत के दौरान सिग्नल एवं ऑपरेटिंग कर्मचारियों द्वारा बरती जाने वाली सावधानियां, शीतकालीन सावधानियां एवं पेट्रोलिंग तथा निजी संरक्षा, अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन तथा प्राथमिक उपचार पेटी का प्रदर्शन।

इस संरक्षा सेमिनार में डॉ. देवेंद्र नाथ बिसवाल/वरिष्ठ मंडल संरक्षाअधिकारी/ रायपुर, श्री बी. एन. पटेल/ वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/ परिचालन/ रायपुर तथा श्री आर. के. सोनी /सहायक मंडल विद्युत अभियंता/ परिचालन/ भिलाई मुख्य रूप से उपस्थित थे । इस संरक्षा संगोष्ठी को सफल बनाने के लिये श्री त्रिनाथ मोहंती, श्री हरीशचन्द्र कर/संरक्षा सलाहकार/विद्युत तथा श्री भूपेश साहू, संरक्षा सलाहकार/ यांत्रिक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन/रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके। उक्त संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर, एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर कुल 82 लोगों ने भाग लिया।

रेल परिवार से रायपुर रेल मंडल के 15 सदस्य दिनांक 31 जनवरी 2024 को सेवानिवृत्त हुए

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 15 सदस्य (10 सामान्य एवं 05 असामान्य) जनवरी 2024 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत हुए।

इस समारोह में सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (श्रीमती निकिता अग्रवाल), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक (श्री निरंजन गुनीराम बड़गे), सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 15 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 02, विद्युत विभाग से 01, इंजीनियरिंग विभाग से 06, परिचालन विभाग से 04, वाणिज्य विभाग से 01 एवं लेखा विभाग 01 कर्मचारी शामिल है।

सामुदायिक भवन में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। (ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 5, 97, 58, 958/- का भुगतान किया गया)। पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड, सेवा मेडल आदि दिनांक 31/01/2024 को प्रदान किया गया।

सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी एवं सहायक मंडल वित्त प्रबंधक ने सभी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा के दौरान अपने दायित्यो का निर्वहन अच्छे से करने पर बधाई दी तथा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्त जीवन को अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की बात कही, साथ ही सेवानिवृत्ति के दौरान मिली राशि को सही जगह निवेश करने की सलाह दी। अंत में उन्होंने सभी को सेवानिवृति के पश्चात् सुखद भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनायें दी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में ईडी. अशोक कुमार पाण्डेय व सीई विनोद ग्रोवर को भावभीनी विदाई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज से सेवानिवृत्त पश्चात हुए कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार पाण्डेय एवं मुख्य अभियंता श्री विनोद ग्रोवर को कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में पॉवर ट्रांसमिशन- डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी श्री मनोज खरे एवं जनरेशन कंपनी के एमडी. श्री एस.के.कटियार ने सेवानिवृत्तजनों को प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

ईडी श्री पाण्डेय लगभग 20 वर्षो से चेयरमेन कार्यालय में पदस्थ रहे एवं सीई श्री ग्रोवर जनरेशन कंपनी में सीपी एण्ड बीडी के साथ टी एण्ड क्यूए का प्रभार संभाल रहे थे। एमडी श्री खरे ने कहा कि श्री पाण्डेय ने चेयरमेन कार्यालय में रहते हुए उत्पादन, पारेषण एवं वितरण संबंधी सभी प्रकरणों में सूक्ष्मता से अध्ययन एवं बेहतर विकल्प देने के लिए जाने जाते हैं। एमडी श्री कटियार ने कहा कि श्री पाण्डेय की कार्यशैली से सबको प्रेरणा लेनी चाहिए। दोनों अधिकारियों ने पूरी निष्ठा व लगन से पॉवर कपंनी की प्रगति में योगदान दिया।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त श्री पाण्डेय ने कहा कि उच्च अधिकारियों से मिले मार्गदर्शन और सीखने का अवसर मिला, इससे बेहतर समझ विकसित हुई। उन्होने इसके लिये सभी का आभार व्यक्त किया। सीई श्री ग्रोवर एवं ने अपने-अपने कार्य अनुभव बताते हुए अपनी सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया तथा सेवायात्रा के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। पॉवर कंपनी में किये गये योगदान की सराहना की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सभी अधिकारियों ने सेवानिवृत्तजनों के उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएं की। उस अवसर पर ईडी सर्वश्री वीके साय, अशोक कुमार वर्मा, भीम सिंह, एमएस चौहान, के एस मनोठिया, एमएस कंवर, आरए पाठक, एमके बागड़े, वाईबी जैन, विनोद अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविन्द पटेल ने किया।

निगम जोन 2 एवं 10 में एनजीओ, समाज सेवी संस्थाओं ने स्वच्छता जनभागीदारी के लिए दिए अनेक सुझाव

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम के सभी 10 जोन कार्यालयों में जोन कमिश्नरों एवं कार्यपालन अभियन्ताओं द्वारा शहर में पीड़ित मानवता की सेवा में लगे शहर के विभिन्न एनजीओ, समाज सेवी संस्थाओं, स्वच्छता दीदियों, मोहल्ला विकास समितियों के पदाधिकारीगणों, एनयूएलएम के मिशन प्रबंधकों, स्वास्थ्य अधिकारियों, उप अभियंताओं की उपस्थिति में स्वच्छता जागरूकता एवं जनभागीदारी के सम्बन्ध में बैठक ली एवं चर्चा की. निगम जोन 2 जोन कमिश्नर डॉक्टर आर. के. डोंगरे ने जानकारी दी है कि निगम जोन नम्बर 2 की बैठक में समाजसेवी संस्थाओं, एनजीओ के प्रतिनिधियों, मोहल्ला विकास समितियों के पदाधिकारीगणों ने स्वच्छता जागरूकता बढ़ाने एवं जनभागीदारी हेतु जोन के अन्तर्गत स्वच्छता हेतु मोहल्ला सभा एवं स्वच्छता रैली करवाने बापू की कुटिया हेतु फर्श की मरम्मत करवाकर कुर्सियां उपलब्ध करवाने हेतु अपना सुझाव दिया है. जोन 10 जोन कमिश्नर श्री दिनेश कोसरिया ने जानकारी दी है कि बैठक में एनजीओ, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने राजधानी शहर रायपुर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने प्रतिबंधित पॉलीथिन पर कार्यवाही करने, सड़क पर थूककर गन्दगी फैलाने वालों पर कार्यवाही करने, तालाबों में सफाई अभियान चलाने, स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाने, अपशिष्ट फलों से खाद बनाने का कार्य करने, रैन वाटर हार्वेस्टिंग करने, कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करने के विविध सुझाव दिये हैं.

सेवानिवृत्ति के अवसर पर जनसंपर्क संचालनालय के उप संचालक मनराखन मरकाम को भावभीनी विदाई

रायपुर (विश्व परिवार)। जनसंपर्क संचालनालय के उप संचालक श्री मनराखन मरकाम को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावभीनी विदाई विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा दी गई। 31 वर्षों तक विभाग को अपनी सेवाएं देने के बाद आज श्री मरकाम सेवानिवृत्त हुए। श्री मरकाम ने अपनी सेवाओं के 7 साल 8 महीने मध्यप्रदेश में एवं 23 साल छत्तीसगढ़ में बिताये। इस मौके पर अपने अनुभव साझा करते हुए श्री मरकाम ने कहा कि जनसंपर्क विभाग में बिताये गये 31 वर्ष बहुत यादगार अनुभव हैं। इन वर्षों में साथी अधिकारियों के साथ सभी विभागीय दायित्वों का मनोयोग से पालन किया। जनसंपर्क विभाग में अधिकारियों से बहुत स्नेह मिला जो हमेशा यादगार रहेगा। इस मौके पर अपर संचालक श्री संजीव तिवारी ने कहा कि श्री मरकाम को सौंपे गये सभी दायित्व उन्होंने अच्छी तरह से पूरे किये। कार्य के प्रति उनकी सजगता और मेहनत सराहनीय है। अपर संचालक श्रीमती हर्षा पौराणिक ने इस मौके पर कहा कि श्री मरकाम ने तीन दशक विभाग को दिये और पूरी मेहनत से अपना कार्य अच्छी तरह संपादित कर सेवानिवृत्त हुए हैं। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। अपर संचालक श्री संतोष मौर्य ने कहा कि सरगुजा संभाग में अपनी पदस्थापना के दौरान मैंने श्री मरकाम का काम निकट से देखा। वे बहुत कर्मठ और सजग अधिकारी रहे हैं। इस दौरान संयुक्त संचालक सर्वश्री पंकज गुप्ता, धनंजय राठौर, डी.एस. कुशराम, सुरेंद्र ठाकुर एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज कुमार सिन्हा का निधन, अंतिम यात्रा आज

रायपुर (विश्व परिवार)। रवि नगर (शुक्ला कॉलोनी) निवासी राज कुमार सिन्हा (लल्ला भैया) उम्र- 72 वर्ष का बुधवार शाम 6 बजे स्वर्गवास हो गया। उनकी अंतिम यात्रा गुरुवार 12:30 बजे उनके रवि नगर स्थित निवास स्थान से देवेंद्र नगर श्मशान घाट के लिए निकाली जाएगी।

राज कुमार सिन्हा कृष्ण कुमार सिन्हा एवं जुगल किशोर सिन्हा के भाई एवं निर्मला सिन्हा के पति, अनमोल सिन्हा के पिता थे.

इंस्ट्रुमेंटल प्रतिस्पर्धा में तबले, गिटार एवं नृत्य प्रतिस्पर्धा के बॉलीवुड मिक्स में छात्रों ने किया एन्जॉय

नन्हे तबला वादक साश्वत महंत ने दी मनमोहक प्रस्तुति, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी ने दिया विषिष्ट पुरस्कार

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सर्कार विश्वविद्यालय के सात दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव के तीसरे दिन इंस्ट्रुमेंटल, नृत्य, बास्केट बॉल, वॉली बॉल, कैरम, फुटबॉल, टेबल टेनिस, चैस प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इंस्ट्रुमेंटल प्रतिस्पर्धा में कीबोर्ड, गिटार, तबला, क्लेप बॉक्स, फ्लूट के माध्यम से कुल 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में अंडर-19 के विजेता जवाहर नवोदय विद्यालय की तबला वादक श्रिष्टी महनत ने प्रथम और विवेक कान्वेंट विद्यालय के देवेश बघवार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और 19 उम्र के अधिक केटेगरी में यश पाल (कीबोर्ड), प्रखर सिंह (गिटार) एवं भूसन यादव (फ्लूट) में क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। बास्केट बॉल एबव -19 के गर्ल्स केटेगरी में जी.ई.सी रायपुर ने प्रथम स्थान और एस. आर.आई.पी धनेली रायपुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार कैरम प्रतिस्पर्धा स्कूल गर्ल्स केटेगरी में स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट इंग्लिश मध्यम स्कूल, बेमेतरा की ममता साहू ने प्रथम और समृधि राजपूत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वॉली बॉल अंडर 19 बॉयज केटेगरी में 6 टीमें के मध्य प्रतिस्पर्धा हुई और एबव-19 बॉयज केटेगरी में 4 टीमें के मध्य प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ।बास्केटबॉल प्रतिस्पर्धा में एबव -19 के (पोल ए) के सेमीफाइनल मैच में विजेता अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर रहा। नृत्य प्रतिस्पर्धा में कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमे 11 ग्रुप डांस और 12 सिंगल डांस प्रस्तुति क्लासिकल, छत्तीगढ़ी, बॉलीवुड मिक्स और कत्थक की परफॉरमेंस दी गई। आज मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग की माननीय कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी ने सभी विजेताओ को गोल्ड, सिल्वर, ब्रोंन्ज़ मैडल और प्रसस्ती पत्र देकर सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया। प्रतिभागियों के सम्मान समारोह की सुरुवात मुख्य अतिथि और विश्वविद्यालय प्रबन्धन के द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं राज्य गीत गायन के साथ हुई। तत्पश्चात स्वागत उद्बोधन विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम के द्वारा दिया गया जिसमे उन्होंने आरोहण आयोजित करने के उद्देश का संक्षिप्त विवरण दिया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354